दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 60 | ग्वालियर, मंगलवार 20 अप्रैल 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

कैसे चंद सेकेंड पहले बच्चे को मौत से बचा लाया रेलवे कर्मी, तेजी से दौड़ती आ रही थी ट्रेन

मुंबई। रेलवे के एक पॉइंटमैन ने दृष्टिबाधित बच्चे की जिंदगी महज चंद सेकंड पहले बचा ली। सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिविजन के वांगणी स्टेशन पर दृष्टिबाधित बच्चा प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर चल रहा था। इसी दौरान उसने अपना बैलेंस खोया और ट्रैक पर जा गिरा। इसी दौरान एक सुपरफास्ट ट्रेन भी ट्रैक पर आने वाली थी, लेकिन ऐन वक्त पर पॉइंटमैन मयूर शेलके ने जांबाजी दिखाते हुए बच्चे को बचा लिया। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और मयूर शेलके की तारीफ की जा रही है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्वीट कर मयूर शेलके की तारीफ की है। दरअसल दृष्टिबाधित बच्चा अपनी मां के साथ प्लेटफॉर्म नंबर दो पर चल रहा था। उसकी मां भी दृष्टिबाधित है। अचानक ही चलते हुए बच्चे ने अपना बैलेंस खो दिया और ट्रैक पर जा गिरा। इसी दौरान सुपरफास्ट ट्रेन का होर्न भी सुनाई दे रहा था। लेकिन मयूर शिलके ने इस बीच जांबाजी दिखाई और ऐन वक्त पर बच्चे की जान बचा ली। उनकी इस कर्तव्यपरायणता की जमकर तारीफ की जा रही है। वांगणी रेलवे स्टेशन पर तैनात एक अधिकारी ने घटना के बारे में बताया, जब बच्चा गिरा तो उसी समय हमने तेजी से आ रही ट्रेन के होर्न की आवाज सुनी। हम लोग उस जगह से काफी दूर थे। बच्चे की मांग भी यह नहीं जान पा रही थी कि बेटा कहां गया, जबकि ट्रेन तेजी से बच्चे की ओर आ रही थी। अधिकारी ने बताया कि इसी बीच मयूर शिल्के सेंकेडों के भीतर बच्चे तक पहुंचे और उसे 3 सेकेंड के अंदर ट्रैक से उठा लाए। उन्होंने तेजी से बच्चे को उठाकर प्लेटफॉर्म पर रखा और खुद भी फुर्ती के साथ चढ़े। इस तरह उन्होंने तेजी से दौड़ती आ रही ट्रेन रूपी मौत से बच्चे को बचा लिया। मयूर शिलके और ट्रेन के बीच महज 2 सेकेंड का ही अंतर था। इससे समझा जा सकता है कि कितने कम समय में उन्होंने तेजी से पूरे काम को अंजाम दिया था। रेलवे अधिकारी ने कहा कि यदि मयूर शिलके ने तेजी से बढ़कर न बचाया होता तो बच्चे की कटकर मौत हो जाती।

मास्क नहीं पहनूंगी, पति को यहीं पर किस करूंगी...पुलिस से भिड़ने वाली महिला और उसका पति गिरफ्तार

नई दिल्ली। कोरोना कर्फ्यू में बिना मास्क के घूमना और पुलिस कर्मियों से अभद्रता करना महिला और उसके पति को महंगा पड़ गया। दिल्ली में बिना मास्क के कार के अंदर घूम रहे दंपति को पुलिस ने रोका तो दोनों ने पुलिसकर्मियों से जमकर अभद्रता की। कार के अंदर बैठी महिला ने कार से उतरकर काफी हंगामा किया था। यही नहीं पिता को एसआई बताने का भी पुलिसकर्मियों पर खूब रौब गांठा था। पुलिसकर्मियों ने जब दोनों को चालान करने की बात कही थी तो दंपति ने पुलिसकर्मियों से काफी दुर्व्यवहार किया था। पुलिस ने महिला और उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों की पहचान पश्चिम पटेल नगर के निवासी पंकज और उसकी पत्नी आभा के रूप में की गई है। पुलिस ने इन पर सासाहिक कर्फ्यू में घूमने और पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने, पुलिसकर्मियों के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ दिल्ली डिस्जामेंट एमएमएमटी अधिनियम की कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने पंकज नाम के शख्स को रविवार को ही गिरफ्तार कर लिया था जबकि उसकी पत्नी आभा को अगले दिन सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि कोई शख्स गाड़ी में अकेला है तो भी उसे मास्क पहनना जरूरी है।

लॉकडाउन लगेगा या नहीं राज्य करेंगे फैसला, अमित शाह बोले- अब राज्यों के पास अधिकार

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर से हाहाकार मचा हुआ है. कई राज्यों में लॉकडाउन लगा दिया गया है. वहीं कुछ राज्यों में नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाई गई हैं. ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि क्या देश में एक बार फिर लॉकडाउन लगाया जाएगा. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस चर्चा को लेकर कहा है कि केंद्र ने पाबंदियों को लेकर फैसला लेने की छूट अब राज्यों के हाथ में दे दी है, राज्य सरकारें ही अपने हिसाब से निर्णय ले रही हैं. ऐसे में अब लगभग साफ है कि जिन राज्यों में कोरोना के केस अधिक आ रहे हैं वहां राज्य सरकार ही अपने स्तर पर लॉकडाउन का फैसला लेगी.

हाल ही में अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा कि पिछले तीन महीने से हमले पाबंदियों को लेकर राज्यों को पूरा अधिकार दे दिया है.

चूंकि हर राज्य की स्थिति एक दूसरे से अलग है. ऐसे में प्रभावित राज्यों को ही तय करना है कि उन्हें लॉकडाउन लगाना है या नहीं. गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जब पहली बार लॉकडाउन लगा तब देश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर काफी कमजोर था, बेड्स-टेस्टिंग-ऑक्सीजन समेत कई तरह की सुविधाएं पहले नहीं थीं. हालांकि, अब केंद्र और राज्यों की सहायता से काफी तैयारियां हो चुकी हैं. अमित शाह ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए हर राज्य को अपने यहाँ की स्थिति के हिसाब से खुद निर्णय लेने होंगे और केंद्र सरकार उनकी पूरी मदद करेगी. दिल्ली के कई अस्पतालों में तो आईसीयू बेड्स बिल्कुल ही खत्म हो गए हैं. दिल्ली सरकार ने सभी प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम से अपने यहां 80 फीसदी बेड्स सिर्फ कोविड मरीजों के लिए रिजर्व रखने को कहा है. सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल अनिल बैजल के बीच अहम बैठक होने जा रही है.

केंद्र से मांगी मदद

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है और मांग की है कि केंद्र सरकार के अस्पतालों में 7000 बेड्स कोविड मरीजों के लिए रिजर्व होने चाहिए. कई अस्पताल ऐसे हैं जहां एक भी आईसीयू बेड नहीं बचा है. दिल्ली सरकार का एप पर भी बेड फुल दिख रहे हैं. उधर कोरोना से दिल्ली के बिगड़ते हालात को देखते हुए दिल्ली की चांदनी चौक मार्केट एसोसिएशन ने कुछ दुकानों को बंद रखने का फैसला लिया है. चावड़ी बाजार एसोसिएशन ने भी प्रतिष्ठानों को बंद रखने का फैसला लिया है. एसोसिएशन 19, 20 और 21 अप्रैल को प्रतिष्ठानों को पूर्णतया बंद रखेंगे. दरअसल, दिल्ली में रोजाना कोरोना वायरस अपने संक्रमण का रोज नया कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है. रविवार को भी दिल्ली में कोरोना संक्रमण ने नया रिकॉर्ड बनाया है. राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 25,462 नए मामले सामने आए हैं. वहीं कोरोना महामारी ने राजधानी के 161 लोगों की जिंदगियां रविवार को लील ली है. आपको बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण से एक दिन में हुई मौतों के मामले में दिल्ली का ये दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है.

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का रेमडेसिवीर जमाखोरी के लिए बीजेपी पर निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस की कथित रूप से रेमडेसिवीर इंजेक्शन की जमाखोरी के लिए निंदा की. यह इंजेक्शन कोरोना रोगियों के लिए जीवन रक्षक दवा है. उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, जब देश के कोने-कोने से लोग रेमडेसिविर उपलब्ध कराने की गुहार लगा रहे हैं और तमाम लोग जान बचाने के लिए किसी तरह एक शीशी रेमडेसिविर जुटाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, उस समय जिम्मेदार पद पर रह चुके भाजपा नेता का रेमडेसिविर की जमाखोरी करने का कृत्य मानवता के खिलाफ अपराध है.

मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने दावा किया था कि रेमडेसिवीर की कम से कम 60,000 शीशियों को ब्रूक फार्मा ने शहर के विभिन्न स्थानों जैसे विले पार्ले, मलाड, कांदिवली, ब्रुक फार्मा द्वारा दक्षिण मुंबई में संग्रहित किया गया था. लेकिन विपक्षी नेता देवेंद्र फड़नवीस, ब्रुक फार्मा के अधिकारी का बचाव करने के लिए पुलिस कार्यालय गए, जिसे पुलिस ने आपूर्ति पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था. रिपोर्ट के अनुसार, फार्मा कंपनी की दमन और दीव में अपनी मेन्यूफैक्चरिंग कंपनी है. जानकारी के अनुसार बीजेपी

एमएलसी ने महाराष्ट्र में कोविड रोगियों के लिए इंजेक्शन खरीदने के लिए कंपनी को अप्रोच किया था. अपने बचाव में फड़नवीस ने सफाई दी है कि फार्मा कंपनी ने सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली हैं और महाराष्ट्र को इंजेक्शन उपलब्ध करा रही हैं. वहीं शिवसेना ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि, रेमडेसिवीर बांटने के लिए बीजेपी ने गुजरात राज्य के प्रदेश अध्यक्ष की तरह ही स्टॉक खरीदे. साथ ही शिवसेना ने पूछा, फडणवीस जैसे निजी व्यक्ति ने गुजरात से रेमडेसिवीर स्टॉक कैसे खरीदा, जब केवल सरकार को बिक्री की अनुमति है. देशभर में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच बोर्ड परीक्षा को आयोजित करने को लेकर सियासत गर्मा गई है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इसे लेकर शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को लेटर लिखा हैं. इसमें उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को सीबीएसई परीक्षा नहीं करवाने का आग्रह किया है. सीबीएसई बोर्ड ने एक सर्कुलर जारी कर कहा है कि वह मई में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को आयोजित करेगा, जिसपर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को पत्र लिखा है. उन्होंने इसे चौंकाने वाला निर्णय बताया है.

कोरोना को लेकर ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान, कोलकाता में अब नहीं करेंगी चुनावी रैलियां

कोलकाता। कोरोना महामारी के बीच बंगाल में चुनावी प्रचार को लेकर सवाल उठने लगने हैं. रविवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बंगाल में आगे चुनाव प्रचार ना करने का ऐलान किया. अब टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने भी बड़ा फैसला लिया है. ममता बनर्जी ने भी आगे चुनाव प्रचार करने से मना कर दिया है. टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट कर बताया है कि ममता बनर्जी अब कोलकाता में चुनाव प्रचार नहीं करेंगी. वहीं बाकी अन्य जिलों में रैली के समय को भी घटाने का फैसला किया है, जो अब सिर्फ 30 मिनट का होगा. पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच विधानसभा चुनाव के अभी तीन चरण बाकी हैं. बंगाल में अभी छठे चरण के लिए 22 अप्रैल, सातवें चरण के लिए 26 अप्रैल और आठवें चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होगी.

अब भी बुजुर्गों पर ही कोरोना का ज्यादा कहर

पहली लहर के मुकाबले बढ़ी ऑक्सीजन की मांग

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर में युवाओं के ज्यादा चपेट में आने की बात को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खारिज किया है. आईसीएमआर के चीफ बलराम भार्गव ने इस बारे में में कहा कि युवाओं के ज्यादा चपेट में आने की बात गलत है। आंकड़े पेश करते हुए उन्होंने कहा कि दूसरी लहर में 30 से कम उम्र के लोगों में सिर्फ एक फीसदी से ज्यादा संक्रमण है। हालांकि उन्होंने यह साफ किया है कि 2020 में आई कोरोना लहर के मुकाबले इस बार ऑक्सीजन की जरूरत ज्यादा पड़ रही है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन पर भर्ती मरीजों का प्रतिशत बढ़ा है। पिछली बार 40 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही थी, लेकिन इस बार यह आंकड़ा 54 फीसदी है। लेकिन एक राहत की बात यह है कि वेंटिलेटर की जरूरत कम ही पड़ रही है। स्वास्थ्य

मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बलराम भार्गव के अलावा नीति आयोग के वीके पॉल और एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया भी मौजूद थे। मंत्रालय ने कहा कि दोनों ही लहर में कोरोना की चपेट में आए लोगों में 70 फीसदी से ज्यादा की उम्र 40 साल से अधिक है। बलराम भार्गव ने कहा कि अब भी अधिक उम्र के लोगों के लिए कोरोना ज्यादा बड़ा खतरा बना हुआ है।

बांग्लादेश में कोरोना का गदर, 3 दिनों से हर 14 मिनट पर जा रही एक की जान

ढाका। बांग्लादेश में, जहां कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या 10,385 है, वहीं पिछले तीन दिनों में हर 14 मिनट में एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हुई है. रविवार को देश में 18 मार्च, 2020 के बाद पहली बार सबसे ज्यादा मरने वाले लोगों की संख्या 102 दर्ज की गई. शनिवार और शुक्रवार को दोनों दिन 101 नई मौतें हुईं. मरने वालों में 59 पुरुष और 43 महिलाएं थीं. उनमें से 63 लोगों की उम्र 60 वर्ष से अधिक थी, 23 की आयु सीमा 51-60 के बीच थी. 14 की आयु 41-50 के बीच थी और दो लोगों की उम्र 31-40 के बीच थी. पीड़ितों में से 68 ढाका से, 22 चटगांव से, म्यामांरसिंह और बारिसल से चार, राजशाही में तीन और खुलना से थे. सात दिनों के प्रतिशत के मुकाबले रविवार को मरने वालों की संख्या 92.2 प्रतिशत तक बढ़ गई. इस बीच 1,000 बेड क्षमता वाले ढाका नॉर्थ सिटी कॉरपोरेशन (डीएनसीसी) अस्पताल का उद्घाटन रविवार सुबह संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ समर्पित किया गया.

राजधानी में कोरोना का कहर जारी दिल्ली-मेरठ हाइवे से हटाए गए बैरियर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में महामारी कोरोनावायरस को कोहराम जारी है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बढ़ते संक्रमण पर नियंत्रण के लिए कई जरूरी कदम उठा रहे हैं. वहीं बढ़ते कोरोना मामले के इस दौर में किसानों का आंदोलन जारी हैं. हालांकि दिल्ली-मेरठ हाईवे पर लगी बैरिकोडिंग को हटा दिया गया है. इसके साथ ही गाजीपुर बॉर्डर पर रविवार देर रात दिल्ली से गाजियाबाद की ओर जाने वाले रास्ते को खोलने का काम शुरू कर दिया गया है. बता दें कि प्रशासन किसानों से लगातार इस रास्ता को खोलने की मांग कर रहे थे. रास्ता बंद होने के कारण आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. भारतीय किसान यूनियन के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि दिल्ली पुलिस की ओर से दिल्ली

से गाजियाबाद जाने वाले रास्ते की तीन लेन को खोला गया है. किसानों के आह्वान के बाद ही पुलिस ने यह फैसला लिया है.

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा राज्यमंत्री बच्ची सिंह रावत का निधन

ऋषिकेश। उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा राज्यमंत्री बच्ची सिंह रावत का रविवार को निधन हो गया. वह 72 वर्ष के थे. उनका ऋषिकेश एम्स में इलाज चल रहा था. मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है. मूल रूप से अल्मोड़ा जिले के पाली गांव के रहने वाले बच्ची सिंह रावत इस समय हल्द्वानी में रहते थे. पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. उन्हें शनिवार की दोपहर में एयर एंबुलेंस से हल्द्वानी से एम्स-ऋषिकेश में भर्ती कराया गया. इलाज के दौरान रविवार को उनका निधन हो गया. उनके निधन पर मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री बच्ची सिंह रावत के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ. भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें, और शोकाकुल परिजनों को दुख सहने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें. मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री बची सिंह रावत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है.

कोरोना का कहर :

दिल्ली में आज रात से छह दिनों का लॉकडाउन

इस दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी, मेडिकल व्यवस्थाओं की, खाने-पीने की सेवाएं जारी रहेंगी। शादियां भी होंगी, पर 50 लोगों के साथ, उसके लिए अलग से पास दिए जाएंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि पिछले 24 घंटे में लगभग 23,500 मामले आए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में हो रही भयावह बढ़ोतरी को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने राजधानी में 6 दिनों का लॉकडाउन का ऐलान किया है। यह लॉकडाउन आज रात से 26 अप्रैल की सुबह तक रहेगा। दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर 30 फीसदी तक पहुंच गई है। रविवार को राजधानी में 25462 नए संक्रमित मिले जिसकों देखते हुए सीएम केजरीवाल ने इस लॉकडाउन का ऐलान किया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह फैसला सोमवार सुबह उपराज्यपाल अनिल बैजल से मीटिंग के बाद लिया है। सीएम ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आज रात को 10 बजे से अगले सोमवार को सुबह 5 बजे तक 6 दिन के लिए दिल्ली में

लॉकडाउन लगाया जा रहा है। इस दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी, मेडिकल व्यवस्थाओं की, खाने-पीने की सेवाएं जारी रहेंगी। शादियां भी होंगी, पर 50 लोगों के साथ, उसके लिए अलग से पास दिए जाएंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि पिछले 24 घंटे में लगभग 23,500 मामले आए हैं। संक्रमण दर बहुत ज्यादा बढ़ गई है। दिल्ली के अस्पतालों में बेड की भारी कमी हो रही है। ढ़ाई बेड लगभग खत्म हो रहे हैं। 100 से भी कम ढ़ाई बेड बचे हैं। दवाईयों की कमी हो रही है।केजरीवाल ने कहा कि अगर हर दिन 25 हजार केस आएंगे तो किसी भी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ठप हो सकती हैं। दिल्ली के अंदर कोरोना के कारण काफी गंभीर हालात है। दिल्ली में कोरोना की चौथी वेब आई है। सीएम ने प्रवासी मजदूर से अपील की कि दिल्ली छोड़कर मत जाइए। आने जाने में काफी समय खराब हो जाएगा। सरकार आपका पूरा ख्याल रखेगी।

एक नजर...

कोरोना वायरस को रोकना समाज का भी दायित्व

मुरैना। कैलारस कोविड 19 जो कि एक वैश्विक महामारी के रूप में विश्व में आई जिससे आज सारा विश्व जूझ रहा है और अब यह वायरस हमारे देश के सभी राज्यों में फैल चुका है। जब कोई महामारी इस प्रकार समाज को त्रस्त करती है तो इससे लड़ना केवल सरकार का ही दायित्व नहीं रह जाता। यह समाज की लड़ाई बन जाती है और समाज के कुछ जागरूक नागरिक दल के अगुआ बनकर सैनिक की भांति अपने जीवन को जोखिम में डालकर समाज की सेवा करते हैं। इसी तरह का एक उदाहरण है, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद कैलारस के एक सामाजिक कार्यकर्ता सौरभ गौड़ जो एक युवा उद्यमी भी हैं। कोरोना काल में राशन बांटने से लेकर मास्क वितरण एवं जागरूकता के लिये निरंतर क्रियाशील रहकर नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिये सेनेटाइजर एवं कोरोना वैक्सीन के प्रति जागरूक बनाकर समाज को इस बीमारी से बचाने के सार्थक प्रयास कर रहे है। लोंगो को वे सबसे पहले कोरोना से जागरूक रहने की शिक्षा देते है। पीड़ितों को काढ़ा बनाने सहित कोरोना से बचाव की अन्य प्रक्रियाओं को बताते है, जो कोरोना की रोकथाम के लिये जरूरी है।

दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी'' का दीवार लेखन कर स्व-सहायता समूह की महिलायें कर रहीं जागरूक

मुरैना। दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी,'' साबुन से हाथ धोते रहें, साबुन नहीं तो सेनेटाइजर का उपयोग करते रहे। कोरोना से बचाव जरूरी है। लोग घर में रहें, सुरक्षित रहें। भीड़-भाड़ में नहीं जायें। भीड़ से बचें, बहुत इमरजेंन्सी को तभी मास्क लगाकर सुरक्षित घर से निकलें। यह जागरूकता का कार्य साईं कृपा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा दीवार लेखन कर बखूबी समझाईश देकर लिखा जा रहा है। पहाडगढ़ विकासखण्ड के साईं कृपा स्व-सहायता समूह की महिलाऐं कोरोना के प्रति जागरूक करने के लिये दीवार लेखन का कार्य बड़ी तीव्र गति से किया जा रहा है। दीवार लेखन कार्य में उनके द्वारा ''दो गज की दूरी मास्क है जरूरी''। इस प्रकार का संदेश लोंगो में पहुंच रहा है, लोग कोरोना से बचने के लिये जागरूक हो रहें है। साईं कृपा स्व-सहायता समूह पहाडगढ़ की अध्यक्षा श्रीमती आराधना सिंह धाकड़ ने बताया कि मेरे समूह की मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मार्गदर्शन में 2018 को समूह का गठन किया गया था। समूह में अधिकतर 10 महिलाऐं है। ये सभी महिलायें अधिकतर कक्षा 5वीं और 8वीं पढ़ी-लिखीं हुई है। समूह की महिलाओं को मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मार्गदर्शन में वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोविड से बचने के लिये दीवार लेखन का कार्य, मास्क, सैनेटाइजर का कार्य सौंपा था। समूह की महिलाओं ने इसे गंभीरता से ग्रहण किया और इस बार उन्होंने पूरी ग्राम पंचायत में नारे लिखने का कार्य हाथ में लिया। स्व-सहायता समूह की अध्यक्षा श्रीमती आराधना धाकड़ ने बताया कि जनजाग्रति के लिये मैं घरों की दीवारों पर स्लोकन लेखन कार्य किया जा रहा है। लेखन कार्य भी स्व-सहायता समूह की स्वयं कार्य कर रहीं है। वहीं घरों में रह रहने वाले लोंगो को मास्क लगाने और हाथ धोंने के साथ ही अन्य लोंगो से दूरी बनाये रखने की सलाह दी जा रही है। इसके साथ ही टीकाकरण करने के लिये समझाने का कार्य भी किया जा रहा है। इस कार्य में अनीता धाकड़, सुनीता धाकड़, रामस्वरूपी धाकड़, सुरक्षा धाकड़, नारायण सिंह धाकड़ द्वारा साथ दिया जा रहा है। इसके चलते अब ग्रामीण भी कोरोना के प्रति सावधानी बरत रहें है।

खरीदी केन्द्र स्थल बदला

मुरैना। गेहूं खरीदी के नोडल अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर ने जौरा तहसील की प्राथमिक कृषि साख सहमति परसोटा के खरीदी केन्द्र के स्थान में परिवर्तन किया है। अब यह नवीन केन्द्र कृषि उपज मंडी प्रांगण जौरा में बनाया है। इसके नोडल अधिकारी आरएईओ श्री एमके शुक्ला हैं, जिनका मोबाइल नंबर 9826767858 है। मुरैना जिले में 9 मार्च तक 68 गेहूं खरीदी केंद्र निर्धारित किये गये हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आरएईओ को सर्वेयर के कार्य हेतु नियुक्त किया है। आरएईओ उपार्जन केन्द्रों पर प्रतिदिन प्रातः 8 बजे उपस्थित होकर तथा उपार्जन केन्द्र पर किसानों द्वारा विक्रय फसल की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे तथा एफएक्यू क्वालिटी की फसल हेतु टोकन जारी करवायेंगे। उपार्जन केन्द्रों पर प्रतिदिन तुलाई समाप्त होने तक स्थाई रूप से उपस्थित रहेंगे। किसी भी स्थिति में नॉन एफएक्यू का उपार्जन होने की दशा में समस्त उत्तरदायित्व नोडल एवं समिति प्रबंधक का रहेगा।

ऑनलाइन दुकानों का पंजीयन कार्य जारी

मुरैना। चंबल संभाग मुरैना के सहायक आयुक्त ने एक जानकारी में बताया है कि दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 के अंतर्गत दुकानों एवं स्थापनाओं के पंजीयन एवं संशोधन की सुविधा श्रम सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध है। श्रम कार्यालय द्वारा दुकानों के पंजीयन के लिये ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के पंजीयन निरंतर जारी किये जा रहे है। सहायक आयुक्त ने पिछले दिनों एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ''बिना रजिस्ट्रेशन, शहर में चल रहे प्रतिष्ठान, जीएसटी विभाग नहीं कर रहा कार्यवाही, श्रम विभाग भी दूर'' का खण्डन करके यह जानकारी देते हुये बताया कि जिला बाल श्रम टास्क फोर्स द्वारा समय-समय पर जन जागरण अभियान चलाया जाकर जन समुदाय को बाल श्रम ने कराने हेतु जागरूक किया जाता है, एवं बाल श्रम से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर जिला बाल श्रम टास्क फोर्स के द्वारा शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाती है। वर्तमान मे कार्यालय को इस संबंध में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर 4 दुकानदारों पर हुई कार्यवाही

एक परिवार पर विना अनुमति कार्यक्रम करने पर हुई एफआई आर दर्ज मास्क ना लगाए, वेवजाह घूम रहे 22 लोगों के चालान काटे

(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी/करैरा विश्व व्यापी महामारी कोरोना वायरस संक्रमण कोविड 19 के चलते जिला कलेक्टर अक्षय सिंह ने कोरोना गाइडलाइन 16 अप्रैल शाम 6 बजे से 22 अप्रैल सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लगाया था। जिसमे नगरिय क्षेत्र को बंद रखा गया था केवल अति आवश्यक दूध ,दवाई, पैट्रोल पंम्प खुलने की अनुमति है।लेकिन कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर 4 दुकानदारों के खिलाफ धारा 188 के अंतर्गत एफ आई आर दर्ज की गई एवं करैरा अनुविभाग के अंतर्गत ग्राम सिरला में एक परिवार द्वारा दस्टोन कार्यक्रम बिना अनुमति के किया जा रहा था। जिन पर एफ आई आर दर्ज की

एवम् 22 लोगों पर बिना मास्क एवम् विना वजह घूमने पर चालान भी काटे। बताया जाता है कि रविवार शाम करैरा थाना प्रभारी अमित भदौरिया,एसआई अजय मिश्रा, एसआई कुलदीप सिंह,एस आई पुष्पेन्द्र सिंह एवम् पुलिस बल व्यवस्थाओं का जायजा लेने बीज भंडार रोड पर निकले तो वहा पर अमित इंटर प्राइजेज, जनता एग्रो एजेन्सी गोपाल जी मार्केट, स्टेट बैंक के सामने माँ ज्वेलर्स,रवि ज्वेलर्स।करैरा के सिरला ग्राम मे मतलब सिंह सोलंकी के यह रिश्तेदार एकत्रित थे कोई भी मास्क नही लगाए हुए था ना ही सोशल डिस्टेंस मे था।जिसपर विना अनुमति दस्टोन करने पर कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर 188,269,270 धाराओं के अंतर्गत एफ आई आर दर्ज की गई।वेवजाह घूम रहे एवम् मास्क नही लगाए हुए लोग को समझाइश दी एवं 22 लोगों के 100 रु के चालान भी काटे। करैरा थाना प्रभारी अमित भदौरिया ने बताया कि कोरोना की रोकथाम के लिए यह कार्रवाई निरंतर चलती रहेगी।जिससे लोगों को कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा कोविड-19

संक्रमण के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए जारी की सलाह

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोरोना वायरस कोविड-19 बीमारी के संक्रमण फैलने की गंभीर स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये इसे महामारी पेंडमिक घोषित किया गया है। वर्तमान में संपूर्ण भारत वर्ष एवं भिण्ड जिले में कोरोना वायरस का संक्रमण पुनः त्वरित गति से फैल रहा है जिससे कोरोना संक्रमितों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा कोविड-19 संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम हेतु जिला भिण्ड के समस्त आम नागरिकों से लोकस्वास्थ्य एवं लोकहित में सलाह दी गई है ।

1. कोरोना संक्रमण के बचाव हेतु मास्क, सेनेटाईजर एवं सोशल डिस्टेंसिंग आदि कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य रूप से किया जाये।
2. आगामी दिनों में रामनवमी, महावीर जयती, रमजान आदि त्यौहारों पर धार्मिक एवं उपासना स्थलों पर अधिक लोग एकसाथ में एकत्रित न हों, संभव हो सके घर पर ही रहकर पूजा / नवाज / प्रेयर इत्यादि की जावे। समस्त धर्मगुरूओं एवं धार्मिक स्थल के अध्यक्ष / प्रबंधकों से भी अनुरोध है कि कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये उक्ताशय की अपील भी अपने अपने माध्यमों से करें साथ ही धार्मिक स्थलों पर पूजा / उपासना आदि हेतु अधिकतम 05 व्यक्ति (पुजारी / मौलवी / पादरी आदि) को प्रवेश की अनुमति दी जावे, इसके अतिरिक्त धार्मिक / उपासना स्थलों पर आमजन का प्रवेश प्रतिबंधित रखा जाये एवं कोविड-19 प्रॉटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराया जाये।
3. वर्तमान में होने वाले शादी समारोह यदि आवश्यक हो तो उनको उक्त परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुये अपने घर से ही 05-10 लोगों की उपस्थिति में ही संपन्न करायें यदि ऐसा संभव न हो तब संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से पूर्व अनुमति प्राप्त कर निहित शर्तों के अधीन ही कार्यक्रम संपन्न किया जावे।
4. कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकले, आवश्यक सेवाओं की पूर्ति हेतु संबंधित विक्रेता से होम डिलेवरी के माध्यम से वस्तुयें ले सकते हैं या निर्धारित 04 घंटे में दुकानों से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर सकते हैं।
5. आमजन स्व-अनुशासन में रहकर कोरोना कर्फ्यू का पालन करें एवं संक्रमण को फैलने से रोकने में सहभागी होकर सहयोग करें।

35 वर्षों से किराए के भवन में संचालित उप मंडी दबोह

किसानों को नहीं मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ

(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

दबोह। भिंड दबोह बुंदेलखंड के अंतिम छोर एवं जिला भिंड के अंतिम छोर पर बसे नगर दबोह एक ऐसा डिपार्टमेंट भी है जो सरकारी महकमा है जो 35 वर्षों से किराए के भवन में संचालित है।मंडी बोर्ड प्रशासन एवं जिला प्रशासन ने अभी तक शासकीय भवन बनवाना उचित नहीं समझा।गौरतलब बात है मंडी समिति आलमपुर की उप मंडी दबोह राजस्व बढ़ोतरी में सबसे प्रमुख योगदान है राजस्व के मामले में उप मंडी दबोह का सर्वाधिक योगदान होने के बावजूद भी आज तक मंडी बोर्ड एवं जिला प्रशासन सरकारी भवन कार्यालय नहीं बना सका जो कहीं ना कहीं अनदेखी है।एक तरफ जहां सरकार किसान हितेषी कार्य कर रही है वहीं दूसरी ओर उप मंडी दबोह में ना तो किसानों के लिए किसान गेस्ट हाउस है ना ही इस तपती धूप में किसानों के लिए मंडी में छाया ना ही पानी की कोई समुचित व्यवस्था है।साथ ही यहां बताना मुनासिब होगा कि शासन के निर्देशानुसार किसानों को रुपये 5/-में भोजन योजना संचालित है वह भी उपमंडी दबोह में सिर्फ कागजों में दर्ज है क्यों कि यहां वह भी बंद पड़ी हुई है।अब देखना है कि मंडी बोर्ड प्रशासन एवं जिला प्रशासन कोई कार्रवाई करता है या मामला जस का तस रहता है।

कोरोना को रोकने में शिवराज सरकार नाकाम-डॉ.गोविंद सिंह

(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

लहार। पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉ गोविंद सिंह ने कोरोना कर्फ्यू के दौरान दतिया जिले में पुलिस द्वारा आम जनता के साथ की जा रही बर्बरता को लेकर बयान दिया है। डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार कोरोना को रोकने के मामले में विफल साबित हुई है और इस वजह से वह जनता पर अपनी खीज निकाल रही है। डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि दतिया जिले की पुलिस घर से बाहर जरूरी काम से निकलने वाली आम जनता पर

जमकर डंडे बरसा रही है उन्हें मुर्गे बना रही है।

उन्होंने गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा समेत सीएम शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा है। डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा कि बीमारों का इलाज करवाने के लिए आम जनता अस्पतालों तक ना पहुंचे इस वजह से शिवराज सिंह की सरकार डंडे के जोर पर जनता पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इतना दमन तो ब्रिटिश शासन काल में नहीं हुआ जितना शिवराज सिंह के शासनकाल में जनता पर किया जा रहा है। चाहे इंदौर की पुलिस हो या दतिया की पुलिस, सभी पुलिस जनता पर अत्याचार कर रही है।

पूर्व मंत्री विधायक डॉ गोविंद सिंह ने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दिए 17 लाख रूपए

वेंटीलेटर,एम्बुलेंस और ऑक्सीजन कंसनट्रेटर की खरीद पर होंगे खर्च

लहार(अर्पित गुप्ता)

कोरोना संक्रमण के लगातार बढते प्रभाव को देखते हुए अब सामाजिक संस्थाएं,राजनीतिक दलों के नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी लगातार मदद के लिए हाथ आगे बढा रहे हैं इस बीच पूर्व मंत्री लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह ने लहार अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बढाने और जरूरत का सामान खरीदने के लिए सत्रह लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है इस राशि से यहाँ लहार अस्पताल में वेंटीलेटर, एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर, कॉर्डियक मॉनीटर और वाटर कूलर की व्यवस्था की जा सकेगी।

इटावा: पंचायत चुनाव में गोपाल यादव जिलाध्यक्ष सपा ने अपने सपरिवार वोट डाला

इटावा। गोपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की हकीकत जनता जान चुकी है पंचायत चुनाव में जनता उन्हें जवाब देगी। उनके द्वारा देश की जनता को ठगा गया है और गरीब असहाय लोगों को गरीब से गरीब भाजपा सरकार बनाती जा रही है और पूंजीपतियों को मजबूत बनाती जा रही है। इस कोरोना की महामारी में लोगो की जाने जा रहा उन्हें समय से इलाज नही मिल रहा अस्पताल में बेड नही है आखिर सरकार ने क्या तैयारी की है कोरोना को लेकर अभी तक सरकार का सबसे बड़ा फेलियर हैं । गोपाल यादव ने कहा जिलापंचायत सदस्य की जिले की 24 सीटे समाजवादी पार्टी जीतने जा रही हैं और आने वाले समय में जिलापंचायत अध्यक्ष फिर से एक बार समाजवादी पार्टी का होगा ।

उप संपादक संदीप प्रधान की रिपोर्ट पुष्पांजली टुडे

दतिया इस वक्त की बड़ी खबर दतिया कलेक्टर उतरे सड़कों पर जनता को दे रहे समझाइए 2 गज की दूरी मार्क्स जरूरी बताया जा रहा है कि जनता को जागरूक कर रहे हैं जिला कलेक्टर अनावश्यक लोग घर से बाहर ना निकले अगर अनावश्यक निकलता है कोई भी तो होगी चालानी कार्रवाई इसलिएजिला कलेक्टर ने पुलिस बल के साथ पूर्ण दतिया सिटी में खुद कर रहे एलाउंसमेंट चाहे वह दूध की दुकान हो चाहे मेडिकल हो चाहे सब्जी की दुकान हो हर व्यक्ति को सोशल डिस्टेंस का पालन और मार्क्स पहनना ही होगा सावधानी हटी दुर्घटना घटी इसलिए हम सब मिलकर इस महामारी से जीत सकते हैं

शिवपुरी जिले के खतौरा में कोरोना विस्फोट सोमवार को निकले 17 कोरोना पॉजिटिव

संजीव शर्मा दैनिक पुष्पांजलि टुडे

खतौरा। देश में जिस रफ्तार से अब कोरोना महामारी फैल रही है उससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब दहशत का माहौल व्याप्त होता जा रहा है जिले के खतौरा कस्बे में भी अब कोरोना ने पूर्ण रूप से दस्तक दे दी है सोमवार को कस्बे में 17 कोरोना पॉजिटिव मरीज निकले। अब कस्बे में मरीजों की संख्या 41 पहुंच चुकी है उसके बावजूद भी मार्केट में दुकानदारों द्वारा ना ही सही तरीके से लॉक डाउन का पालन किया जा रहा और ना ही कोरोना गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है दुकानदार सिर्फ अपने फायदे के लिए अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं।

डीएम-एसपी ने मैथा तहसील क्षेत्र के अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

कानपुर देहात। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2021 के तहत जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से मैथा तहसील क्षेत्र के संवेदनशील, अतिसंवेदनशील, मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया।

जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम मैथा तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भुजपुरा में बनाये गये अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्र के बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने वहां की व्यवस्था का जायजा लिया, साथ ही वहां उपस्थित ग्रामीणों से वार्ता भी की। जिस पर ग्रामीणों ने बताया कि इस केन्द्र पर पिछले वर्ष निर्वाचन को लेकर विवाद हुआ था लेकिन इस वर्ष यहां पर अभी शांति है, जिलाधिकारी महोदय ने मतदाताओं को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार क कोई असामाजिक कार्य न करे अन्यथा उन्हें इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि वे किसी के बहकाबे में या लालच में अपने मत का प्रयोग न करे अपितु निर्भीक और निडर होकर मतदान करे। उन्होंने कहा कि अगर मतदान के दिन कोई अराजकता फैलाता है उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसके पश्चात जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मैथा तहसील क्षेत्र के मतदान केन्द्र मॉडल प्राइमरी स्कूल लालपुर-मैथा व कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय मॉडा, खास में बनाये गये बूथों का निरीक्षण किया, वहां पर उपस्थित ग्रामीणों से जानकारी ली तथा मतदान केन्द्र में जलपान, शौचालय, रैम्प, साफ सफाई, विद्युत, छाया की व्यवस्था आदि को सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। इस मौके पर एसडीएम मैथा रामशिरोमणि, जिला सूचना अधिकारी नरेन्द्र मोहन आदि उपस्थित रहे।

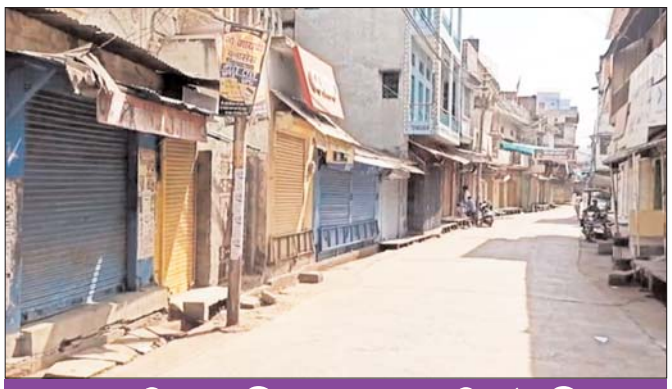

मऊरानीपुर जिला झांसी में दिखा लॉकडाउन का पूर्ण असर

मऊरानीपुर। रविवार को कोरोना कर्फ्यू का पूरा असर देखने को मिला, बाजार पूरी तरह से बंद रहा, मेडिकल स्टोर खुले रहे, अधिकारी और पुलिस अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे। आपको बता दें कि कोरोना कर्फ़्यू के पालन का असर मऊरानीपुर में देखने को मिला। अधिकारी और थानों की पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी निभाई, बाहर निकलने वालों लोगों से सख्ती से निपटा गया, जनपद में बाजार पूरी तरह से बंद रहा और लोग अपने-अपने घरों में कैद रहे, कोतवाली प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने लोगों से अपील की कि आप घर मे रहे-सुरक्षित रहे और केंद्र सरकार-यूपी सरकार द्वारा जारी कोविड-19 की गाइडलाइंस का पालन करें।

जागो ग्राहक जागो-दवाएँ खरीदते समय उपभोक्ता करें अपने अधिकारों का उपयोग- प्रमुख सचिव श्री किदवई

भिण्ड। मूल्य के बदले में वस्तु या सेवा प्राप्त करने वाला व्यक्ति उपभोक्ता है। सेवा के अंतर्गत बैंक, बीमा, परिवहन, विद्युत, मनोरंजन, रेल, डाक, दूरभाष आदि की तरह दवाएँ भी शामिल हैं, जो जीवन रक्षक के रूप में उपभोक्ता क्रय करता है। उपभोक्ता उसके मूल्य का भुगतान तो करता है परंतु आवश्यकता पड़ने पर अपने अधिकारों का उपयोग नहीं करता है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज़ अहमद किदवई ने कहा कि कोई भी व्यापारी अथवा निर्माता उपभोक्ता के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उपभोक्ता को उसके द्वारा भुगतान की गई राशि के बदले वस्तु अथवा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है।

दवाएँ खरीदते समय दें जागरूकता का परिचय-प्रमुख सचिव श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता दवाएँ खरीदते समय पर्चे के साथ दवा के नाम का मिलान कर लें। जब-तक कोई दवाई इस्तेमाल नहीं हो जाती, तब-तक उसके बिल अथवा रसीद को संभाल कर रखें। दवाई के रेपर पर अंकित दवा की उपयोगिता समाप्ति की तिथि को देखकर ही दवा खरीदें। यदि एक्सपायरी डेट निकल गई हो तो न दवा खरीदें और न ही उसका उपयोग करें। ये जिंदगी के लिए नुकसानदायी हो सकती है। श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता सिर्फ डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएँ ही क्रय करें। केमिस्ट की सलाह पर दवाइयों का इस्तेमाल न करें। जागरूक उपभोक्ता के रूप में दवाई के पैकेट पर खरीदी गई दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य के साथ ही उत्पादक का लाइसेंस नंबर को भी देखना चाहिए।

जैनेरिक दवाइयाँ भी है प्रभावशाली-प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि उपभोक्ता जैनेरिक दवाएँ भी डॉक्टर की सलाह लेकर खरीद सकते हैं। ये दवाइयाँ गुणवत्ता में अन्य दवाईयों के समान होती हैं और इनकी कीमत अन्य दवाओं की तुलना में काफी कम होती है। जैनेरिक दवाएँ किसी ब्राण्ड विशेष का इस्तेमाल नहीं करती इसलिए इनकी कीमतें कम होती हैं। उन्होंने बताया कि नकली व मिलावटी दवाइयों के बारे में उपभोक्ता अपनी शिकायत अपने जिले के औषधि निरीक्षक या राज्य के औषधि नियंत्रक से कर सकते हैं।

कपिल देव त्रिपाठी खिलारा ने श्रीकृष्ण भगवान एवं बलराम की बाल लीलाओं का किया वर्णन

पुष्पांजली टुडे

मऊरानीपुर । ग्राम खिलारा में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत पुराण के पंचम दिवस की कथा का वर्णन करते हुए पंडित कपिल देव त्रिपाठी खिलारा ने श्रीकृष्ण भगवान एवं बलराम की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया। वहीं उन्होंने आगे की कथा में कहा कि जहां भय हो वहां अभिनय की कमी रहेगी जहां अच्छा अभिनय होगा वहाँ भय नहीं होगा। भय यदि अपनी पराकाष्ठा को पार करे तो जीवन के रंगमंच में जीवन की तरंग जीवन का उत्साह जीवन का आनंद स्वप्न में भी नही मिलेगा। और यदि आप भय को मारकर अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा को सकारात्मक तरीके से संगठित रूप में जीवन रूपी रंगमंच के अभिनय में लगा देंगे तो आप एक सफल नायक की भूमिका में अपने जीवन को तो साकार करेंगे ही अपितु अपने आस-पास के लोगों को भी अच्छे अभिनय रूपी कला में माहिर होने के लिये प्रेरित कर सकेंगे। वह भी बिना किसी भय के अच्छी अभिनय कला को जाग्रत करने के लिये आवयश्क वातावरण को बनाने स्वस्थ, प्रदूषण मुक्त, हरियाली युक्त,भय मुक्त भारत बनाने की कल्पना को साकार रूप में बदल सकते है। मुख्य यजमान शिवानी अभिषेक द्विवेदी ने भागवत पुराण की आरती उतारी। आचार्य पंडित ओमकृष्ण द्विवेदी एवं प्रिंस द्विवेदी द्वारा वेद पाठ किया जा रहा है। संगीतमय चल रही पुराण की कथा में आर्गन पर बलराम विश्वकर्मा, ढोलक पर संदीप सेन संगत दे रहे है। इस दौरान ऊंबचंद्र द्विवेदी, नंदू दादा, राजेंद्र द्विवेदी, अनिल कुमार परमलाल, खरगाई पाल, भगवानदास कुशवाहा, रामप्रसाद आदि मौजूद रहे।

मऊरानीपुर चैत्र नवरात्रि के चलते क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में देवी अनुष्ठान तथा मां अंबे मंदिरों में ग्रामीणों सुबह शाम की आरती में पहुंचकर शामिल हो रहे है। वही ग्राम भदरवारा स्थित प्राचीन मंदिर में विराजमान मावली माता के दर्शन करने के लिए दूरदराज के श्रद्धालुजन पहुंचने लगे है। मऊरानीपुर दिनों दिन बढ़ती जा रही गर्मी से गिरते जल स्तर से अनेक ग्रामों में पेयजल संकट गहराने लगा है। जिसके चलते ग्राम पंचायत हरपुरा में पेयजल संकट को कुछ हद तक दूर करने के लिए पंचायत विभाग द्वारा सरकारी टैंकर चलवाना शुरू करा दिया गया है। जिससे ग्रामीणजन पीने का पानी भरने के लिए भीड़ सहित उमड़ पड़ते है। वही ग्राम पंचमपुरा में अभी भी पानी की किल्लत दूर नहीं हो सकी है। ग्राम पंचायत खिलारा में लगे सरकारी हैडपंपों में से आधा दर्जन से अधिक खराब पड़े हुए है। जिससे ग्रामीणों को पेयजल संकट के जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित पंचायत विभाग से हैंडपंपों को ठीक कराने की मांग की है।

होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट वितरण के लिए प्रभारी अधिकारी होंगे नियुक्त

भिण्ड। नगरीय क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में स्थित कोविड मरीजों को उनके घर पर ही कोविड-19 के स्व-प्रबंधन के लिये आवश्यक मेडिसिन किट और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को पहुँचाने के लिए प्रत्येक जोन, वार्ड के अनुसार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये जाएँ। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास ने समस्त आयुक्त नगर पालिका निगम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उक्त निर्देश जारी किये हैं।

प्रमुख सचिव श्री व्यास ने बताया कि प्रत्येक जिले में होम आइसोलेशन में स्थित मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए कन्ट्रोल रूम या कंट्रोल कमांड सेन्टर संचालित हैं। इस व्यवस्था के संचालन के लिए यथा संभव इसे ही केन्द्र बिन्दु बनाया जाए। छोटे निकायों में वार्ड/जोन के अनुसार प्रभारी अधिकारी या टीम की आवश्यकता न हो तो स्थानीय परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए। मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रतियाँ कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, किन्तु कई जिलों में ऐसी स्थिति हो सकती है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किट के स्थान पर मेडिसिन उपलब्ध कराई जाए, जिसको किट में परिवर्तित करना होगा। नगरीय निकाय इस हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसी किट का निर्माण कलेक्टर के माध्यम से नियुक्त स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो निकाय आवश्यकतानुसार मुद्रण सुनिश्चित किया जाए। श्री व्यास ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्तमान में होम आइसोलेशन में स्थित ऐसे कोविड मरीज जिनको अभी तक मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध नहीं हुई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से यह उपलब्ध कराई जाए। इसके पश्चात् प्रतिदिन होम आइसोलेशन में रहने वाले नए कोविड मरीजों को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों की सूची जिले के महामारीविद् या कलेक्टर द्वारा नियुक्त अधिकारी से सुबह 7 बजे प्राप्त की जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिदिन होम आइसोलेशन में नए मरीजों को उसी दिन उपरोक्तानुसार सामग्री उपलब्ध हो।

यह युद्ध है, सभी को एकजुट होकर लड़ना होगा

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना का संकट अत्यंत विकट है, यह एक युद्ध है, जिसमें सबको सारे मतभेद भुलाकर एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा। सरकार अपने स्तर पर पूरे प्रयास कर रही है, परन्तु जब तक समाज का पूरा सहयोग नहीं मिलेगा, हम कोरोना को शीघ्र नियंत्रित नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बीमारी के थोड़े भी लक्षण दिखने पर तुंरत जाँच करवायें तथा होम आइसोलेशन अथवा कोविड केयर सेंटर में रहकर इलाज लें। यहाँ सरकार द्वारा दवाओं, डॉक्टर का परामर्श आदि की पूरी व्यवस्था की गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए संक्रमण की चेन को तोड़ना बहुत आवश्यक है। उन्होंने जनता से अपील की कि आगामी 30 अप्रैल तक कोई भी अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकले। गाँव, मोहल्लों, कॉलोनियों, बिल्डिंग्स आदि में लोग जनता कर्फ्यू लगाएँ। इस दौरान आवश्यक वस्तुएँ दो-चार व्यक्ति जाकर ले आएँ। बाहर जाते समय मास्क अनिवार्य रूप से लगाएँ। सामाजिक दूरी रखें तथा अन्य कोरोना संबंधी सावधानियों का पालन करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि सभी के सहयोग से हम इस लड़ाई को जल्दी जीतेंगे। कोरोना शीघ्र हारेगा। उन्होंने कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में सभी धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा अन्य संगठनों एवं जन-सामान्य से पूरा सहयोग करने की अपील की।

होम आइसोलेशन में सभी सुविधाएँ- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि होम आइसोलेशन में सरकार द्वारा कोरोना के इलाज की सभी सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। आवश्यकता होने पर अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जा रही है। जिन मरीजों के घर में जगह कम है, वे कोविड केयर सेंटर में रहें। वहाँ पर दवाई के अलावा भोजन, चाय-नाश्ता आदि की व्यवस्था भी की गई है। सभी जिलों में कोविड केयर सेंटर चालू हो गए हैं।

बिस्तरों की संख्या निरंतर बढ़ाई जा रही है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। जहाँ एक अप्रैल को हमारे पास कुल 21 हजार 159 बिस्तर उपलब्ध थे, वहीं आज बिस्तरों की संख्या बढ़कर 40 हजार 784 हो गई है। पिछले तीन दिनों में लगभग 3 हजार बेड्स बढ़े हैं।

रेमडेसिविर इंजेक्शन आपूर्ति-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 8 अप्रैल से अब तक सरकारी सप्लाई और निजी क्षेत्र की सप्लाई मिलाकर लगभग एक लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन आ चुके हैं। आज हैटरो कंपनी से 12 हजार इंजेक्शन की सरकारी सप्लाई प्राप्त हो रही है। मॉयलॉन कंपनी से 20 अप्रैल को 20 हजार इंजेक्शन प्राप्त होंगे।

निरंतर बढ़ रही है ऑक्सीजन की आपूर्ति-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति निरंतर बढ़ाई जा रही है। प्रदेश में 8 अप्रैल को 130 एमटी ऑक्सीजन की आपूर्ति थी। वहीं 14 अप्रैल को यह बढ़कर 280 एमटी, 16 अप्रैल को 350 एमटी तथा 17 अप्रैल को 390 एमटी हो गई। आगामी 30 अप्रैल तक प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति 700 एमटी हो जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिलों में छोटे-छोटे ऑक्सीजन प्लांट प्रारंभ किए जा रहे हैं, तथा बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी भिजवाए जा रहे है।

सरकारी भवनों में भी प्रारंभ किए जा सकेंगे निजी अस्पताल-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के इलाज में निजी अस्पतालों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि यदि इस समय कोई निजी अस्पताल चालू करना चाहता है, तो उसे शासकीय भवन व अन्य सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। इन्दौर में राधा स्वामी सत्संग व्यास द्वारा एक बड़ा कोविड केयर सेंटर प्रारंभ किया गया है।

कोरोना वॉलेंटियर्स बनें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वॉलेंटियर्स कोरोना के नियंत्रण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सेवा का इच्छुक कोई भी व्यक्ति 181 पर कॉल कर कोरोना वॉलेंटियर्स बन सकता है।

दवाइयों की कालाबाजारी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए जन-प्रतिनिधियों से निरंतर परामर्श किया जाए। उनसे प्राप्त सूचनाओं पर कमिश्नर्स त्वरित कार्रवाई करें। प्रदेश में सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करते हुए पॉजिटिविटी रेट घटाने के पूरे प्रयत्न हों। किस अस्पताल में कितने बेड हैं, इसकी जानकारी प्रचार माध्यमों के साथ ही हिन्दी एप के माध्यम से भी दी जाए। समाजसेवी संगठनों को जोड़कर लोगों की मदद के लिए प्रेरित किया जाए। कोरोना संक्रमित लोग कोविड केयर सेंटर से लाभान्वित हों। होम आइसोलेशन में रहने वाले रोगियों से चिकित्सक सम्पर्क में रहें और जरूरी मार्गदर्शन देते रहें। औषधियों और इंजेक्शन के वितरण की न्यायपूर्ण व्यवस्था हो। इनकी कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कमिश्नर्स, प्रभारी अधिकारियों से कोरोना संक्रमण पर चर्चा एवं समीक्षा कर रहे थे।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान एनआईसीर रूम गुना में कलेक्टर श्री कुमार पुरूषोत्तम, पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री निलेश परीख तथा मेडिकल स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

नए ऑक्सीजन प्लांट लगेंगे-समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति इस माह के आखरी तक 700 मीट्रिक टन हो जाएगी। आज प्रदेश को 390 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई है। प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति निरंतर बढ़ रही है। टेंकर्स की संख्या भी अब 46 हो गई है। प्रदेश के 37 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगेंगे। ये प्लांट आगामी एक से तीन माह में स्थापित करने की तैयारी है। इससे भविष्य की दिक्कतें समाप्त होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा पीआईयू और कार्य एजेंसी इन संयंत्रों के लिए स्थल चयन करें, तेजी से कार्य सम्पन्न हो।

इंजेक्शन की नहीं होगी कमी, बढ़ रही आपूर्ति-बैठक में बताया गया कि प्रदेश में संभागों को आज 17 हजार इंजेक्शन भेजे जा चुके हैं। संभागों से जिलों तक इनका वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की आज हैटरो हैल्थकेयर लिमिटेड से भी इंजेक्शन आपूर्ति के संबंध में चर्चा हुई है। कंपनी को एक लाख इंजेक्शन की आपूर्ति के लिए कहा गया है। इसके पूर्व मॉयलॉन लैब ने भी इंजेक्शन की आपूर्ति की है। निरंतर अनुश्रवण से परिणाम मिल रहे हैं और मध्यप्रदेश को होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति में निरंतर वृद्धि हुई है।

रोगियों के हित में जल्दी मिले रिपोर्ट-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जाँच रिपोर्ट 24 घंटे में उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाए। टेस्ट रिपोर्ट आने तक जाँच करवाने व्यक्ति को आइसोलेशन में रहना है, यह परामर्श दिया जाए। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए प्रयासों में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। ऐसे निर्धन परिवार, जो होम आइसोलेशन में हैं यदि उनके लक्षण गंभीर होते हैं तो प्राथमिकता से कोविड केयर सेंटर ले जाया जाए। इन केन्द्रों में चाय, नाश्ता, भोजन उपलब्ध करवाया जाए। रोगियों की पूरी देखभाल की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रोगियों को एक अस्पताल से दूसरे में न जाना पड़े, इसके लिए बेड की उपलब्धता प्रदर्शित करें। निर्धारित नंबरों पर नागरिकों को जानकारी मिलना चाहिए। गंभीर रोगियों को सभी जिले में प्रशासनिक अधिकारी अथवा अस्पताल द्वारा उपचार देने में पूरा सहयोग प्रदान किया जाए। इंदौर में राधास्वामी सत्संग ब्यास द्वारा की गई पहल अनुकरणीय है। अन्य संभाग में भी यह पहल हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसी भी स्थिति में संक्रमण की चेन तोड़ना है। ऐसे प्रयास करें कि यह कार्य एक अभियान बन जाए।

प्रांतों से मिल रहा सहयोग-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि उन्होंने मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन और औषधियों के आवश्यक प्रबंध के लिए गुजरात, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की है। सभी राज्यों से सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश में उड़ीसा और छत्तीसगढ़ से भी ऑक्सीजन आपूर्ति में सहयोग मिला है। संकट के दौर में सभी राज्यों में परस्पर सहयोग और समन्वय की भावना है।

37 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगेंगे, मॉयलॉन लैब के बाद हैटरो हैल्थकेयर से एक लाख इंजेक्शन आपूर्ति का निर्णय, ऑक्सीजन एक्सप्रेस के सुझाव को मिली केन्द्र की हरी झण्डी

संभागों से चर्चा-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कमिश्नर्स से चर्चा के दौरान निर्देश दिए कि सभी संभागों में रोगियों की संख्या को देखते हुए ऑक्सीजन के न्यायपूर्ण वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित हो। कमिश्नर भोपाल ने बताया कि संभाग में टेस्टिंग और ट्रीटमेंट का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। कल भोपाल में 8566 टेस्ट हुए हैं। जबलपुर कमिश्नर को मेडिकल कॉलेज जबलपुर में आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। टेस्ट क्षमता में वृद्धि के लिए कमिश्नर रीवा को भी निर्देशदिए गए। कमिश्नर सागर को संभाग के सभी जिलों में जाँच और उपचार की सुविधाओं को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में सागर में 500 बेड क्षमता है। अभी 398 बेड का उपयोग हो रहा है। कमिश्नर इंदौर ने बताया कि इंदौर में 7400 बेड उपलब्ध हैं, वर्तमान में 6422 बेड का ही उपयोग हो रहा है।

जन-सहयोग है जरूरी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आम जनता खुद कर्फ्यू व्यवस्था को लागू करें। जन-सहयोग से हम शीघ्र ही इस संक्रमण पर विजय प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे सोमवार को मंत्रियों से भी चर्चा कर उनके सुझावों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देंगे।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस केन्द्र की पहल सराहनीय-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से राज्यों तक उनकी आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति की पहल की है। निश्चित ही यह सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा गत सप्ताह ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए रेल के माध्यम से टेंकर लोड कर भेजे जाने का सुझाव दिया गया था।

ऑक्सीजन की क्षति न हो-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे समय जब ऑक्सीजन की बहुत जरूरत है, भोपाल के पास एक ऑक्सीजन टैंकर पलटा, लेकिन ऑक्सीजन की क्षति नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन, परिवहन विभाग ने तत्परता से कार्यवाही की। मुख्यमंत्री ने कहा इसी तरह सभी का सतर्क रहना आवश्यक है। रोगियों के कार्य की वस्तुओं को सहेजने के लिए सजगता प्रशंसनीय है। इसी तरह ऑक्सीजन के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण भी आवश्यक है।

आगर-मालवा और शाजापुर जिलों के सैम्पल उज्जैन जाएंगे-बैठक में बताया गया कि उज्जैन के आरडी गार्डी अस्पताल में उज्जैन सहित आगर-मालवा और शाजापुर के सैम्पल भी भेजे जाएंगे। उज्जैन में वर्तमान में प्रतिदिन 2 हजार टेस्ट की क्षमता है। टेस्ट रिपोर्ट जल्द प्राप्त हो इस उद्देश्य से झाबुआ और अलीराजपुर में लिए गए सैम्पल अहमदाबाद भेजे जा रहे हैं। इससे एक दिन में ही रिपोर्ट मिलने लगी है।

छह संभाग में एक-एक हजार बिस्तर क्षमता केन्द्रों के लिए भवन चिन्हित होंगे-मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने बताया कि छह संभागों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में कमिश्नर्स को कोविड केयर सेंटर के लिए भवनों को चिन्हित करने को कहा गया है। भविष्य में बढ़ने वाली रोगी संख्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए यह तैयारी करने को कहा गया है। इन भवनों में लगभग एक हजार बेड उपलब्ध होंगे। आइसोलेशन रोगियों के लिए जरूरत होने पर ऑक्सीजन बेड के रूप में भी इनका उपयोग किया जा सकता है। नर्सिंग स्टाफ एवं 450 अनुबंधित चिकित्सकों की सेवाएं इन केन्द्रों में ली जाएंगी।

अन्य राज्यों के रोगी लाभान्वित हो रहे-कोविड की नियमित समीक्षा में आज यह तथ्य भी सामने आया कि म.प्र. में जाँच, उपचार की बेहतर व्यवस्थाएँ होने से अन्य प्रांत के रोगी भी आ रहे हैं। ग्वालियर में झाँसी के रोगी आकर जाँच करवाते हैं। ग्वालियर संभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्वालियर प्रशासन को निर्देश दिए कि आइसोलेशन में रहने वालों का ध्यान रखें। छोटे आवास गृह में रहने वाले लोगों को आवश्यक सुविधाएँ दी जाएँ। ग्वालियर में 57 निजी अस्पताल भी इलाज कर रहे हैं। अच्छे अस्पतालों को अधिग्रहण कर सेवाएँ ली जा रहीं हैं। ग्वालियर की विस्तृत समीक्षा में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता कर्फ्यू स्वतः स्फूर्त हो, सभी दल भी इसमें सहयोगी हों।

अब मोबाइल फीवर क्लीनिक का संचालन-स्वास्थ्य विभाग के प्रजेंटेशन में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में 12 हजार 248 रोगी हैं। रिकवर हुए रोगियों की संख्या 6497 है। एक्टिव केस 4,706 हैं। देश में मध्यप्रदेश के 4.4 प्रतिशत रोगी हैं। प्रदेश का पॉजिटिविटी रेट बीस है लेकिन रिकवर होकर रोगी घर आ रहे हैं। भोपाल, इंदौर में अभी केस स्थिर हैं। लेकिन नियंत्रण की चुनौती का सामना कर सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में 720 फीवर क्लीनिक चल रहे हैं। अब चलित फीवर क्लीनिक के संचालन की तैयारी भी की गई है। नागरिकों के घर तक सैम्पल लेने के लिए वाहन पहुँचेंगे। रैपिड टेस्ट के पश्चात पॉजीटिव परिणाम पर संबंधित व्यक्ति को वहीं किट भी प्रदान की जाएगी। साथ ही होम आयसोलेशन के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। जबलपुर और रीवा संभाग में रेपिड टेस्ट की क्षमता बढ़ाएंगे। इसी तरह विंध्य अंचल में व्यवस्थाएँ बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभी रीवा में 1500 प्रतिदिन की टेस्ट क्षमता को 2000 तक ले जाने का प्रयास है। संभाग में लेब की सुविधा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही सिंगरौली में अधिक टेस्ट हो सकें, इसके भी प्रयास करेंगे।

बड़े परदे की बढ़ती उम्मीदों पर लगने लगे ताले

एक बार फिर से अफरातफरी और हाहाकार है। कुछ समझदारों का कहना था कि सावधानी से मुकाबला करना है, तो शेष दुस्साहसियों ने कहा कि सावधानी के बजाय सीना ठोककर करना है। गफलत यहीं से शुरू हो गई। कोरोना के गिरते ग्राफ ने हमारे कुछेक त्योहार मनवा दिए थे और उसके बाद अब फिर से हमें धकियाते हुए घरों में कैद कर दिया है। अब हम लोग अपने किए-कराए का पुनरावलोकन कर रहे हैं, कहां चूक हुई है और हथेली खुजाते हुए पिंजरे के पंछी की तरह खिड़की से झांककर आबोहवा का आकलन कर रहे हैं। धीरे-धीरे सब कुछ अनुकूल हो रहा था। सिनेमा और संस्कृति पर बीते साल भयावह संकट छाया था, जो फिर उठ खड़े होने, चल पड़ने के लिए अपने आपको तैयार कर रहे थे। नाटकों के अभ्यास ठहर गए थे। रंगशालाएं, सांस्कृतिक भवन और सिनेमाघर सभी में साथ बैठना, पास बैठना ही जब जानलेवा हो गया हो, तब इस रचनात्मक दुनिया का क्या होता? परिणाम यही हुआ कि हम सब एक सहमे और भय से ठिठुरते समय के साक्षी बने। सिनेमा से लेकर साहित्य और संस्कृति तक हमने ऐसा समय देखा है, जिसे कोई भुला नहीं सकेगा। इस बीच सिनेमा और मनोरंजन उद्योग को जो आर्थिक नुकसान हुआ है, उसका अंदाजा लगाना भी अब आसान नहीं है। टीवी शो उद्योग पटरी पर लौट आया था, लेकिन वहां भी कोरोना ने कामकाज को बाधित करना शुरू कर दिया है। सरकार कोशिश में है कि मनोरंजन उद्योग पिछले साल की तरह पूरी तरह ठप न हो, पर आगे के दिनों के बारे में कहना मुश्किल है। मुंबई में भी स्थिति बेकाबू हो रही है। दिल्ली में भी कोरोना कहर बरपा रहा है। हिंदी पट्टी के तमाम महत्वपूर्ण शहरों में सिनेमाघर बंद होने लगे हैं। सिनेमाघर खुलने को तैयार हो रहे थे, अपना मानस बना रहे थे। एकाध फिल्मों की सिनेमाघर में सफलता पर बात चल पड़ी

थी कि फिर वही सब शुरू हो गया। आज सिनेमाघर, मल्टीप्लेक्स सूने पड़े हैं। मॉल के बाहर चार-छह फिल्मों के एक्शन व रोमांस भरे जो पोस्टर हर आते-जाते को लुभाया करते थे, वे स्थान अब खाली पड़े हैं। पूरे एक साल में फिल्म प्रदर्शन के वैकल्पिक माध्यमों ने लोगों को अभ्यस्त बना दिया। टीवी, लैपटॉप और मोबाइल के भरोसे ही आगे रहना पड़ेगा। साल की शुरुआत में लगा कि फिर से सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन फिल्मों का प्रदर्शन फिर से नेपथ्य में चला गया है। उधर, अक्षय कुमार की पृथ्वीराज और रामसेतु जैसी फिल्में बहुत तेजी से निर्मित हो रही थीं, मगर फिल्म यूनिट के ही 40-50 लोगों के कोरोना संक्रमित हो जाने से रामसेतु की शूटिंग रुक गई। सिनेमा और सिनेमाघरों में फिल्म प्रदर्शन की बात अप्रासंगिक हो गई है। सितारे भी तेजी से इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं। अमिताभ बच्चन की चेहरे, झुंड, सलमान की राधे, अंतिम, अक्षय की सूर्यवंशी, बच्चन पांडे, पृथ्वीराज, रणवीर सिंह की 83, जयेश भाई जोरदार, सर्कस, अजय देवगन की भुज द प्राइड ऑफ इंडिया, रणबीर कपूर की ब्रम्हास्त्र, शमशेरा, फरहान अख्तर की तूफान को प्रदर्शन के लिए अब स्थिति सामान्य होने का इंतजार करना पड़ेगा। स्थिति कब तक सामान्य होगी, अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। अब कलाकारों, निर्माताओं और निर्देशकों के सामने यह बड़ी चिंता का विषय हो गया है कि कलाकार से लेकर निर्माण के क्षेत्र में पानी की तरह पैसा बहाकर फिल्म बनाने और दर्शकों से उसी तरह धन हासिल करने वाली भव्यता भरी आकांक्षा का क्या होगा? अब कोरोना काल में यशराज, करण जौहर या धर्मा प्रोडक्शन्स या रोहित शेट्टी जैसे नामों के बजाय अमेजन, जी5, एम एक्स प्लेयर जैसे नाम हमारा दर्शक जानता चला जा रहा है। उसे इस विवरण में नहीं जाना है कि वे महारथी कौन हैं, जो भव्य या विराट कैनवास वाले महंगे सिनेमा में धन झोंक रहे हैं। वह यह देख रहा है कि उस तक सिनेमा सुलभ कराने वालों ने बड़े बैनर को भी सीमित करके रख दिया है। कुल मिलाकर, आपदा में फंसी मानवीयता के साथ-साथ सांस्कृतिक संकट का उदय हुआ है, कामनाओं में तो हमारे हमेशा ही है कि इससे निजात मिले और सब कुछ पहले सा हो जाए। अपनी भूल से सब कितना सीखे या सीखेंगे, यह दूसरी बात है। सचमुच सांप-सीढ़ी से किसी भी तरह कम नहीं है जिंदगी और उसका दर्शन।

सम्पादकीय

परीक्षाओं का सम्मान

कोरोना ने अपना प्रहार बढ़ा दिया है और उसके नतीजे आए दिन सामने आने लगे हैं। अंतत- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित और 10वीं की परीक्षाओं को रद्द करने पर मजबूर हो गया। संक्रमण के बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो बैठक प्रस्तावित थी, उसके पहले ही यह अंदाजा लगने लगा था कि सरकार बड़ा फैसला करने वाली है। जब देश में प्रतिदिन संक्रमण के मामले दो लाख के करीब पहुंच गए हैं, तब सामूहिक रूप से एक साथ बैठाकर बच्चों की परीक्षा लेना कतई सही नहीं होता। दसवीं की परीक्षा को पहले ही बहुत टाल दिया गया था, लेकिन अब उसे टालना नामुमकिन था, इसलिए उसे रद्द करने में ही सरकार ने सबकी भलाई समझी। 12वीं की परीक्षा चूंकि आगे की पेशेवर पढ़ाई के लिए जरूरी होती है, इसलिए उसके लिए सरकार उचित ही इंतजार करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व केंद्रीय शिक्षा सचिव और अन्य शीर्ष अधिकारियों की बैठक में लिए गए फैसलों का स्वागत करना चाहिए। सुरक्षा के तमाम इंतजामों के बावूजद 4 मई से 14 जून के बीच परीक्षा लेना खतरे से खाली नहीं होता। अब राज्यों को भी अपने यहां बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला लेने में आसानी होगी। महत्वपूर्ण फैसले के अनुसार, आंतरिक मूल्यांकन से ही छात्रों को दसवीं में पास कर दिया जाएगा। जाहिर है, उन बच्चों के साथ यह नाइंसाइफी है, जो वर्षों से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे थे। निकट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दसवीं की परीक्षा रद्द कर दी गई है, वरना दसवीं की परीक्षा का पारिवारिक-शैक्षणिक तनाव पांचवीं-छठी कक्षा से ही शुरू हो जाता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अभी दसवीं की परीक्षा से वंचित बच्चों को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। जब कोरोना का असर कम होगा, तब सरकार दसवीं की परीक्षा कराएगी और उसमें वे तमाम बच्चे शामिल हो सकेंगे, जो आंतरिक मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं होंगे। जहां तक 12वीं की परीक्षा का सवाल है, तो सरकार 1 जून को देश में कोरोना का हाल देखने के बाद फैसला लेगी। समय आ गया है, अब शिक्षा अधिकारियों को पारंपरिक परीक्षा के बेहतर विकल्प पर सोचना पड़ेगा। परीक्षाओं को रद्द करते चलना देश की शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए ठीक नहीं है। जिन नेताओं ने विद्यार्थियों के हित में परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की है, उन्हें भी परीक्षा के ऐसे ढांचे पर विचार करना चाहिए, जिससे कोरोना जैसी आपदाओं के समय भी छात्रों की सही परीक्षा ली जा सके और उनका यथोचित मूल्यांकन किया जा सके। दसवीं पास करने जा रहे विद्यार्थियों के मूल्यांकन की पद्धति भी पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को संतुष्ट किया जा सके। सरकार और बोर्ड को आंतरिक मूल्यांकन के पैमाने भी तय करने होंगे, जिस पर सभी स्कूलों को चलने के लिए पाबंद करना होगा। सरकार के इस फैसले से छात्रों के बीच यह भी संदेश गया है कि पढ़ाई के दौरान हर परीक्षा को गंभीरता से लेना चाहिए। हो सकता है, भविष्य हमें फाइनल परीक्षा का मौका ही न दे और पहले के प्रदर्शन के आधार पर ही स्कूल या बोर्ड चालू मूल्यांकन करने

पाकिस्तान में पाबंदियों की दिखावटी सियासत

इमरान खान की सरकार ने आखिरकार तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जिसे तहरीक लब्बैक या रसूल अल्लाह के नाम से भी जाना जाता है। इस पार्टी ने रमजान के उपवास की शुरुआत की पूर्व संध्या पर 12 अप्रैल से देशव्यापी विरोध शुरू किया था। आंतरिक मंत्री (गृह) शेख राशिद के अनुसार, 14 अप्रैल की शाम तक 48 घंटे के भीतर हिंसा में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी और लगभग 340 घायल हुए थे। ऐसी हिंसा ने सरकार को संगठन पर प्रतिबंध लगाने पर विचार के लिए मजबूर कर दिया। प्रतिबंध के खतरे से अप्रभावित प्रदर्शनकारी उपद्रव में लगे हुए थे, जबकि सरकारी सूत्रों का कहना था कि टीएलपी पर प्रतिबंध लगाने वाला सरकारी परिपत्र अगले 24 घंटों के भीतर आएगा। सरकार ने अब इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला क्यों किया है? इसे पिछले चार वर्षों से सरकार को निर्देशित करने की अनुमति क्यों थी? क्या पाकिस्तान में यह मिलता-जुलता ढर्रा नहीं है? इस तरह के संगठन शुरू किए जाते हैं और एक दिन आता है, जब लगता है, पानी सिर के ऊपर से जा रहा है, तब संगठन दुष्ट करार दिया जाता है। क्या यह अकेला ऐसा शैतान है, जिसे राज्य ने खड़ा होने दिया है? पृष्ठभूमि देखें, तो टीएलपी एक कट्टर बरेलवी संगठन के रूप में सामने आया था, जिसकी स्थापना 2015 में खादिम हुसैन रिजवी द्वारा की गई थी, जो धर्म रक्षा के नाम पर उग्र भाषणों के लिए जाना जाता है। चुनाव कानूनों में कथित बदलाव के खिलाफ इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में नवंबर 2017 में आयोजित विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर टीएलपी प्रकाश में आई थी। यह अफवाह थी कि चुनाव लड़ने से पहले पैगंबर के नाम पर ली जाने वाली शपथ में बदलाव किया जा रहा है। इस पार्टी का धरना 20 दिन तक जारी रहा। जिसे तुड़वाने के लिए सेना और खुफिया विभाग को आगे आना पड़ा। जो समझौता हुआ, उसके तहत कानून मंत्री जैद हामिद को इस्तीफा देना पड़ा और सरकार ने पहले की शपथ को ही बरकरार रखने का वादा किया। इससे पहले भी ईशनिंदा अधिनियम का बचाव करते हुए इस पार्टी ने फरवरी 2016 में मुमताज कादरी की फांसी के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। मुमताज कादरी ने 2011 में पंजाब के गवर्नर सलमान तासीर की हत्या की थी। सबसे हालिया मामले में टीएलपी ने विदेशी सरकारों के नेताओं द्वारा की जा रही निंदा का मुद्दा उठाया है और विशेष रूप से फ्रांस को निशाने पर ले रखा है। टीएलपी ने फ्रांसीसी राजदूत के निष्कासन के लिए नवंबर 2020 में अपने आंदोलन की शुरुआत की थी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की टिप्पणी के बाद फ्रांसीसी उत्पादों पर प्रतिबंध की मांग की थी। उसी महीने मृत्यु से कुछ पहले खादिम हुसैन ने एक समझौते के जरिए आश्वासन दिया था कि सरकार तीन महीने के भीतर उचित कार्रवाई करेगी, अच्छी तरह से यह जानते हुए भी कि पाकिस्तान के लिए ऐसा करना कभी संभव नहीं होगा। फरवरी 2021 में टीएलपी ने सड़कों पर उतर आरोप लगाया कि सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान नहीं किया। सरकार ने 20 अप्रैल तक यह काम करने का आश्वासन देकर टीएलपी से एक और समझौता किया। खादिम हुसैन के बेटे साद हुसैन, जो अब आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं, शायद अपने पिता के नक्शे कदम पर ही चलना चाहते हैं। टीएलपी समर्थकों ने आंदोलन तेज कर दिया है। जब आंदोलन हिंसक हो गया, तब सरकार को इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने का बहाना मिल गया। क्या इस प्रतिबंध के साथ टीएलपी का अंत हो जाएगा? शायद नहीं। क्या पाकिस्तानी सेना टीएलपी-अनुभव से सीख लेगी और सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए धर्म का इस्तेमाल करना बंद कर देगी? ऐसी उम्मीद नहीं है। पाक सेना अपने साये तले ऐसे संगठनों को पोसती है, उसका रिकॉर्ड रहा है। सेना ऐसा इसलिए करती है, ताकि पाकिस्तानी राजनीति और समाज पर सेना की पकड़ का अंदाजा रहे। सेना ने समय-समय पर भारत के खिलाफ भी मोहरे के रूप में भी ऐसे संगठनों का इस्तेमाल किया है। हो सकता है, अपने हाथ जलते देख सेना ने इस संगठन से पीछा छुड़ा लिया हो, लेकिन जिस तरह से सेना पाकिस्तान में बरेलवी उग्रवाद को बढ़ावा देती रही है, उससे टीएलपी की वापसी की आशंका है।

बंगाल का मतलब चुनावी हिंसा बिल्कुल नहीं

'सबकी वजह बंगाल है...' को किस तरह से पेश किया जाता है, बानगी देखिए। 'अगर बंगाल में इतने लंबे चुनाव नहीं हुए होते, तो असम, केरल और तमिलनाडु में ईवीएम अब तक खुल चुकी होतीं, और हम उन राज्यों का जनादेश पा चुके होते...' 'अगर बंगाल न होता, तो अब तक वायरस के तेज प्रसार को रोकने के लिए जनता पर पाबंदियां लगा दी गई होतीं, और संक्रमण में इतनी वृद्धि शायद नहीं होती...' 'इसका कारण बंगाल है...' ऐसे वाक्य तकलीफदेह हैं। ये बंगाल को दर्द देते हैं। ये उन लोगों को दुख पहुंचाते हैं, जो बंगाल को जीते हैं। मगर सबसे ज्यादा, ये वाक्य सत्य को नुकसान करते हैं। और वह सत्य क्या है, इसे मैं बंगाल को लेकर कहे जाने वाले पांच तथ्यों के संदर्भ में बताता हूं। पहला तथ्य है, वर्षों से बंगाल की पहचान चुनावी हिंसा है। दूसरा, इस हिंसा ने राज्य को बदनाम कर दिया है। तीसरा, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। चौथा, निर्वाचन आयोग को इसी आधार पर बंगाल में चुनाव-कार्यक्रम कराने चाहिए। और पांचवां, 'किंतु' बंगाल इन हिंसा से काफी ऊपर है, और यहां के लोग समाज की दरारों में छिपे अवांछित 'गुंडों' से कहीं ज्यादा महान हैं। गुंडे शब्द का इस्तेमाल हर पार्टी विपक्ष के उन लोगों के लिए करती है, जिन्हें आमतौर पर ठग कहा जाता है और जिनका व्यवहार आक्रामक व डराने वाला होता है। 'गुंडे' बंगाल में चुनावी हिंसा के प्रतीक बन गए हैं। गुंडों के बारे में खुला रहस्य यह है कि वे कतई राजनीतिक नहीं हैं। वे सिर्फ और सिर्फ गुंडे हैं। यह शब्द अमेरिका में गाली-गलौज की भाषा से निकला है, हालांकि एक सोच यह भी है कि यह हिंदी से आया है। ठग तो विशुद्ध हिंदी का शब्द है, लेकिन यह उस दुनिया का शब्द नहीं है, जहां से मुंशी प्रेमचंद, आचार्य नरेंद्र देव, सुभद्रा कुमारी चौहान, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला या महादेवी वर्मा जैसे लोग आते हैं। इसी तरह, गुंडा बेशक बंगाल में चुनावी हिंसा का प्रतीक बन गया है, लेकिन यह बंगाल का कतई प्रतीक नहीं बन सकता। ऐसा मैं क्या इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि यह ठाकुर रामकृष्णदेब और श्रीमां शारदा का घर है? स्वामी विवेकानंद , श्री अरबिंदो का भी? क्योंकि यह रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, काजी नजरूल, तोरु दत्त, सरोजिनी नायडू, महाश्वेता देवी की जन्मभूमि है? इस मिट्टी से महान वैज्ञानिक जेसी बोस, पीसी राय, मेघनाद साहा निकले हैं? महान कलाकार जेमिनी रॉय, नंदलाल बोस, रामकिंकर बैज, सोमनाथ होर इसकी देन हैं? अमर्त्य सेन, सुखमय चक्रवर्ती, अशोक मित्र जैसे अर्थशास्त्रियों की यह जमीन है? सुरेंद्रनाथ बनर्जी, चितरंजन दास, सुभाष चंद्र बोस, आशुतोष मुखर्जी जैसे महान नेताओं की भूमि है और इसने आजादी के आंदोलन में नायिकाओं को उतरने को प्रेरित किया, जैसे मातंगिनी हाजरा, प्रीतिलता वादेदार? हां! मैं यह कह सकता हूं। तो क्या मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि इसने दिल खोलकर सबका स्वागत किया? यह बंगाल ही है, जिसने हमारे समय के सबसे बड़े मुस्लिम राजनेता मौलाना अबुल कलाम आजाद को वर्षों तक अपने पास रखा, सीवी रमन और सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे गैर-बंगाली शिक्षकों को शोहरत दी, संविधान सभा में आंबेडकर को भेजा, अरुण लाल को क्रिकेट की रणजी ट्रॉफी में अपनी तरफ से खेलने का मौका दिया? रोनाल्ड रॉस, सीएफ एंड्रूयज, डब्ल्यू डब्ल्यू पीयरसन, तन यून-शान और लियोनार्ड एल्महर्स्ट जैसे विदेशी पुण्यात्माओं को अपने यहां पनाह दी? मदर टेरेसा जैसा अमर उदाहरण दिया? हां! मैं यह भी कह सकता हूं। मगर मैं किसी अन्य बड़ी वजह से भी ऐसा कह रहा हूं। और वह है, यहां के सरल हृदय लोगों, किसानों, मजदूरों और पेशेवरों की महानता। साल 2007 में नंदीग्राम संकट के दौरान, मैं मुरादपुर के पास एक झोंपड़ी में रुका था। वहां एक तालाब के किनारे बमुश्किल 10 घर थे। उन झोंपड़ियों में रहने वाले लोगों ने मुझे अपने यहां बुलाया। उन्होंने मुझसे कोई मांग नहीं की। किसी ने मुझसे खाने का आग्रह किया, तो किसी ने बैठने का। एक गृहिणी ने मेरा स्वागत आरती के साथ किया। ये वे सीधे लोग हैं, जो बंगाल बनाते हैं। यही बंगाल है। हमें इन पर गर्व होना चाहिए और इनका आभार जताना चाहिए।

यहां भी अपनी जगह खोजती पिछड़ी और वंचित आबादी

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपनी स्थापना से लेकर आज तक अनेक दावेकरता आया है। एक दावा यह भी है कि वह इस देश में बसने वाले सबसे बड़े अल्पसंख्यक समाज की एक अकेली प्रतिनिधि संस्था है, जो उनके निजी व सामाजिक मूल्यों को, जो इस्लामी शरीयत कानून द्वारा निर्धारित किए गए हैं, देखने-समझने का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त बोर्ड मुस्लिमों की तरफ से देश के बाहरी और आंतरिक मामलों में न सिर्फ अपनी राय रखता है, बल्कि देशव्यापी आंदोलनों, सेमिनारों और बैठकों द्वारा इसे कार्यान्वित भी करता है। सवाल है कि क्या बोर्ड का यह दावा सही है? इसका जवाब बोर्ड के संगठनात्मक ढांचे से ही मिल जाता है। मसलकों और फिरकों के भेद को स्वीकार करते हुए बोर्ड ने सारे मसलकों व फिरकों के उलेमा को इसमें जगह दी है, जो उनकी मसलक/ फिरके की आबादी के वजन के आधार पर तय है। बोर्ड का अध्यक्ष सदैव सुन्नी संप्रदाय के देवबंदी/ नदवी फिरके से आता है। ज्ञात रहे, भारत में सुन्नियों की संख्या सबसे अधिक है और सुन्नियों में देवबंदी/ नदवी समुदाय, बरेलवी समुदाय से बेशक संख्या में अधिक न हो, फिर भी असर व प्रभाव की दृष्टि से वह सबसे बड़ा गुट है। बोर्ड का उपाध्यक्ष सदैव शिया संप्रदाय से होता है, हालांकि यह संप्रदाय संख्या-बल में सुन्नी संप्रदाय के किसी फिरके से भी कम है, फिर भी वैचारिक आधार पर शिया हमपल्ला माने जाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या भारतीय मुस्लिम समाज सिर्फ मसलकों/ फिरकों में बंटा है? इसका जवाब है, नहीं। मुस्लिम समाज नस्ली व जातिगत आधार पर भी विभाजित है, जहां सैयद, शेख, जुलाहा, धुनिया, धोबी, भटियारा, नट जैसी जातियां हैं, लेकिन बोर्ड अपने संगठन में उपर्युक्त विभेद को मान्यता नहीं देता। शिकायत यही है कि बोर्ड किसी भी देसी पसमांदा (पिछड़े, दलित और आदिवासी) मुस्लिम जाति को उसकी जातिगत संख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व नहीं देता। ऐसा नहीं है कि बोर्ड भारतीय मुस्लिमों के जातिगत भेद से अवगत नहीं है। वह खुद गैर कुफू यानी गैर-बराबरी में निकाह को न्यायोचित नहीं मानता, यानी एक शरीफ/ उच्च/ विदेशी जाति के मुस्लिम द्वारा एक रजील यानी निम्न देसी जाति के मुस्लिम से किए गए विवाह को न्यायसंगत नहीं मानता है, जबकि मुहम्मद रसूल अल्लाह ने दीनदारी (धार्मिक कर्तव्य परायणता) के आधार पर शादी करने का हुक्म दिया है। शिकायत यह भी है कि बोर्ड कथित रजील और जल्फ को, जिसे पसमांदा कहते हैं, अपने संगठन में प्रतिनिधित्व नहीं देता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बोर्ड आधी आबादी, यानी महिलाओं के प्रतिनिधित्व को भी नजरंदाज करता है। यह महिला प्रतिनिधित्व को न्यायोचित नहीं मानता, जबकि इस्लामी इतिहास बताता है कि खलीफा उमर ने एक महिला सहाबी (मुहम्मद रसूल अल्लाह की साथी), शिफा बिंत अब्दुल्लाह अलअदविया को मदीना के बाजार का लोक वाणिज्य प्रशासनिक अधिकारी बनाया था। वह इस्लामी इतिहास की पहली शिक्षिका और चिकित्सक भी थीं। खलीफा उमर (र0) उनसे सरकारी कामकाज में बराबर राय-मशविरा भी किया करते थे। हालांकि, अब बोर्ड ने औरतों को शामिल तो कर लिया है, लेकिन यहां भी उच्च अशराफ वर्ग की औरतों को ही वरीयता दी गई है। बोर्ड में गैर-आलिम की भी भागीदारी होती है, जो ज्यादातर पूंजीवादी/ आधुनिक शिक्षाविद्/ कानूनविद् होते हैं, लेकिन यहां भी कमोबेश अशराफ/ उच्च/ विदेशी वर्ग का ही वर्चस्व बना रहता है। लगता है, बोर्ड के अशराफ उलेमा देसी पसमांदा मुस्लिम उलेमा की ओर से स्वयं ही प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं और पसमांदा महिलाओं व पुरुषों को योग्य नहीं मानकर प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व नहीं प्रदान करते। हालांकि, ऐसा किसी को नहीं लगना चाहिए कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड केवल मुस्लिम उच्च वर्ग/ विदेशी नस्ल के अशराफ की प्रतिनिधि संस्था है। देश की कुल मुस्लिम आबादी में इस उच्च वर्ग की हिस्सेदारी लगभग 10 फीसदी (लगभग तीन करोड़) है, बाकी 90 फीसदी (लगभग 13 करोड़) देसी पसमांदा मुस्लिम वंचित ही नजर आते हैं। यहां बरबस ये पंक्तियां याद हो आती हैं- न तुम सदमे हमें देते, न यूं फरियाद हम करते/ न खुलते राज-ए-सर बस्ता, न यूं रुसवाइयां होतीं।

> बोर्ड का अध्यक्ष सदैव सुन्नी संप्रदाय के देवबंदी/ नदवी फिरके से आता है। ज्ञात रहे, भारत में सुन्नियों की संख्या सबसे अधिक है और सुन्नियों में देवबंदी/ नदवी समुदाय, बरेलवी समुदाय से बेशक संख्या में अधिक न हो, फिर भी असर व प्रभाव की दृष्टि से वह सबसे बड़ा गुट है। बोर्ड का उपाध्यक्ष सदैव शिया संप्रदाय से होता है, हालांकि यह संप्रदाय संख्या-बल में सुन्नी संप्रदाय के किसी फिरके से भी कम है, फिर भी वैचारिक आधार पर शिया हमपल्ला माने जाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या भारतीय मुस्लिम समाज सिर्फ मसलकों/ फिरकों में बंटा है? इसका जवाब है, नहीं। मुस्लिम समाज नस्ली व जातिगत आधार पर भी विभाजित है, जहां सैयद, शेख, जुलाहा, धुनिया, धोबी, भटियारा, नट जैसी जातियां हैं, लेकिन बोर्ड अपने संगठन में उपर्युक्त विभेद को मान्यता नहीं देता।

सियासत और समाज में अपने-अपने आंबेडकर

भारतीय एवं एशियाई समाज पश्चिमी समाजों से इतर स्मृतियों में जीने वाला समाज है, जहां कई बार यथार्थ से ज्यादा स्मृतियां महत्वपूर्ण होती हैं। जहां सच से ज्यादा प्रतीक व छवियां शक्तिवान होती हैं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर अपने जीवनकाल में जितना महत्व नहीं पा सके थे, उससे कई गुणा ज्यादा महत्व और प्रभाव उनकी अनुपस्थिति में विकसित हुआ है। वह दलित, वंचित एवं हाशिये के समाजों की समानता, न्याय एवं सम्मान के प्रतीक बनकर उभरे हैं। उनके प्रतीकों, छवियों और मिथकों के अद्भुत रूप से प्रभावी बनने में जनतंत्र व चुनावी जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की बड़ी भूमिका है। कुछ साल पहले एक पत्रिका ने आधुनिक भारत के महानायकों पर अपने पाठकों के बीच सर्वेक्षण किया था। इन नायकों में आंबेडकर का प्रतीक ही शीर्ष पर माना गया था। भारतीय चुनावों में जीत-हार का पलड़ा हाशिए के समाजों की गोलबंदी से ही तय हो पाता है। लेकिन इस प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दल उनके नाम को अपने-अपने ढंग से उच्चारित करते हैं। अर्थात उनकी छवियों को अपने-अपने ढंग से रचते, कहते-सुनते हैं। इस प्रक्रिया में उन्हें वे अपना-अपना रंग देते हैं। दलितों की स्वायत्त राजनीति की पक्षधर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के बुद्धप्रिय मौर्य जैसे नेता हिंदी पट्टी में आंबेडकर के दिखाए रास्ते पर राजनीति 1960 के दशक में ही शुरू कर दी थी। 90 के दशक में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम ने आंबेडकर के विचारों को हिंदी पट्टी के माटी-पानी में फिर से रोपकर एक छायादार वृक्ष तैयार किया। हालांकि, इस प्रक्रिया में उन्होंने आंबेडकर के 'जाति उन्मूलन' को नया अर्थ देते हुए 'जाति को जाति से काटो' के रास्ते पर चलते हुए दलित एवं बहुजन समूहों में जातीय गरिमा और मानवीय सम्मान की चाह विकसित की।

भारतीय राजनीति में कांग्रेस का आंबेडकर के प्रतीक के साथ एक रोचक संबंध बनता दिखता है। यह कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू और बाबा साहेब आंबेडकर ने साथ-साथ दलित एवं वंचित समूहों को शक्तिवान बनाने की परियोजना शुरू की थी। यह भावना भारतीय संविधान में मुखरित भी हुई। आजादी के बाद दलित एवं बहुजन समूहों का बहुलांश कांग्रेस का आधार मत बना रहा। आंबेडकर के प्रतीक आजादी के बाद बने सरकारी विमर्शों और योजनाओं में तो दीखते रहे, किंतु कांग्रेस की संपूर्ण संस्कृति में उनकी छवि प्रमुखता से नहीं उभर पाई। आज जब वह अपना दलित और वंचित आधार खो चुकी है, तब उसे आंबेडकर के प्रतीक की जरूरत है, किंतु उसके पास अभी भी आंबेडकर के संदर्भ में प्रभावी वृत्तांत विकसित होना बाकी है। भारतीय जनता पार्टी भी अब आंबेडकर की छवि से अपना नाता जोड़ने लगी है। भाजपा ने उन्हें 'महानायक' के रूप में चित्रित किया। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'स्मृतियों का महत्व बखूबी समझते हैं'। इसीलिए उन्होंने 'आंबेडकर स्मृति सर्किट' की अवधारणा पर काम किया। इसी प्रक्रिया में लंदन के जिस बंगले में 1920 के आस-पास बाबा साहब रहा करते थे, उसे स्मृति स्थल बनाने की पहल पिछले दिनों की गई। प्रधानमंत्री नागपुर की आंबेडकर दीक्षा भूमि पर दलितों के विकास के लिए अनेक योजनाओं की घोषणा कर चुके हैं। भारत में वामपंथी राजनीति को बहुत दिनों तक शायद आंबेडकर की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उनका विमर्श जाति पर नहीं, बल्कि वर्ग की अवधारणा पर केंद्रित था। लेकिन अब उन्होंने भी लाल और नीला, यानी वामपंथी और आंबेडकरवादी राजनीतिक विमर्श को जोड़ने की पहल की है। फलत- अब भीमराव आंबेडकर और कार्ल मार्क्स, दोनों ही कई बार उनके पोस्टर-बैनर पर दिख जाते हैं। देश की लोकतांत्रिक राजनीति में अपनी-अपनी जरूरतों के लिए सबने अपने-अपने आंबेडकर गढ़ लिए हैं। सबके आंबेडकर के अपने-अपने रंग हैं, किसी का लाल, किसी का नीला, किसी का भगवा, किसी का तिरंगा। यह ठीक है कि भारतीय जनतंत्रिक विमर्शों में आंबेडकर के प्रतीक के बढ़ते प्रभावों ने 'दलितों की आवाज' को शक्तिवान बनाया है। अब देखना यह है कि दलितों की सुनी-सुनाई जा रही ये आवाजें उनके दैनिक जीवन में कितना व कब तक बदलाव लाती हैं।

पाकिस्तान की ये लड़की है करिश्मा कपूर की हमशक्ल, लोग हुए कंफ्यूज

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में कई ऐसे सेलेब्स है जिनके हमशक्ल है। बॉलीवुड एक्ट्रेस की बात करें तो अक्सर इनकी हमशक्ल फैंस को कंफ्यूज करती है। अनुष्का शर्मा, प्रीति जिंटा, ऐश्वर्या राय से लेकर अभिनेता अजय देवगन, शाहरुखखान, ऋतिक रोशन, रणवीर सिंह तक कई स्टार्स के हमशक्ल फैंस का सिर चकरा चुके हैं। अब इस लिस्ट में करिश्मा कपूर भी शामिल हो गई है।

पहले भी करिश्मा कपूर की हमशक्ल के वीडियो वायरल हो चुके हैं। लेकिन अब एक बार फिर से करिश्मा कपूर की हमशक्ल को देख लेंगे तो यकीनन आपको अपनी आंखों पर भरोसा नहीं होगा।

टिक टॉक की चर्चित टिक टॉकर और करिश्मा कपूर की हमशक्ल हिना काफी फेमस हैं। इसी बीच हिना एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं।हिना टिक टॉक का एक फेमस चेहरा थीं लेकिन जब इस एप पर बैन लगा तो वह पूरी तरह से कहीं गायब सी हो गई थीं। लेकिन अब लोगों की नजर एक बार फिर हिना पर पड़ गई है।

हिना अब टिकटॉक की जगह पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं। टिक टॉक पर करिश्मा की हमशक्ल के 2.9 मिलियन फॉलोअर्स थे, जबकि इंस्टा पर अभी सिर्फ 36 हजार ही हैं। लेकिन अब एक बार फिर से हिना का जादू तेजी से फैंस के बीच छा रहा है। हिना का चेहरा और अंदाज बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर से काफी ज्यादा मेल खाता है कि लोग भी उनकी फोटोज और वीडियोज देखकर हैरान रह जाते हैं और कमेंट्स कर उनकी तारीफ करते हैं।

हिना के चाहने वाले भी उनको करिश्मा कपूर के गानों आदि पर वीडियो बनाने की डिमांड करते हैं।कोई उन्हें करिश्मा की कार्बन कॉपी कहता है तो उनकी वीडियोज देखकर हैरान रह जाता है। ये पाकिस्तानी लड़की एक बार फिर से फिलहाल फैंस के बीच छाई हुई है।

करिश्मा कपूर की बात करें तो 90 के दशक की कपूर परिवार की इस एक्ट्रेस ने एक से एक नायाब फिल्मों में काम किया था। गोविंदा के साथ करिश्मा की सबसे ज्यादा फिल्में हैं जिनमें से लगभग सभी फिल्में हिट भी हैं। अब काफी समय से करिश्मा फिल्मों से दूर हैं। लेकिन फिर भी फैंस उम्मीद करते हैं कि जुबैदा एक्ट्रेस एक बार फिर से पर्दे पर वापसी करेंगी। हाल ही में करिश्मा एल्ट बालाजी एक वेबसीरीज में नजर आई थीं। कहा तो ये भी जा रहा है कि जल्द ही करिश्मा की बेटी फिल्मों में डेब्यू कर सकती है।

झटका: जुलाई के बाद ही रिलीज होगी सूर्यवंशी, राधे और 83

कोविड-19 के कारण पूरा देश परेशान है। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन लग चुका है। लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि इस विकट परिस्थिति का मुकाबला कैसे किया जाए। ऐसे में मनोरंजन के बारे में तो कोई सोच नहीं रहा है। वैसे भी मनोरंजन के नाम पर टीवी है, ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं, जहां लोग अपनी पसंद की फिल्म, वेबसीरिज और टीवी धारावाहिक देख रहे हैं। इसके अलावा आईपीएल भी चल रहा है। सिनेमाघर जाकर फिल्म देखने की हिम्मत कम ही लोग करें।

वैसे दक्षिण भारत में सिनेमाघर खुले हुए हैं और वहां पर बड़े सितारों की फिल्में रिलीज भी हो रही हैं। हाल ही में पवन कल्याण अभिनीत तेलुगु मूवी 'वकील साब और धनुष की तमिल फिल्म 'कारनन' रिलीज हुई हैं जिसे अच्छे खासे दर्शक मिले हैं। इसको देख लगता है हिंदी फिल्मों को भी दर्शक मिल सकते हैं, बशर्ते बड़े सितारों की फिल्में रिलीज हों, लेकिन अभी तो ये स्टार्स अपनी फिल्मों को रिलीज करने से डर रहे हैं। सिनेमाघर कुछ दिनों पहले शुरू भी हुए थे, लेकिन इनको दर्शक नहीं मिले।

अक्षय कुमार की सूर्यवंशी 30 अप्रैल

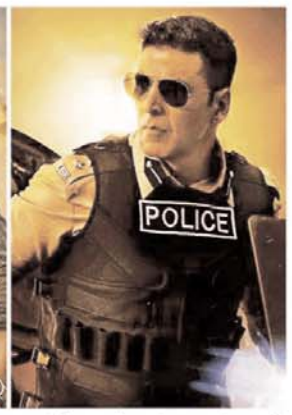

को रिलीज होने वाली थी, जिसकी रिलीज को टाल दिया गया है। 13 मई को सलमान खान की 'राधे' को रिलीज करने की बात कही गई थी, अब तक मेकर्स ने यह नहीं कहा है कि राधे की रिलीज को आगे बढ़ा दिया जाएगा, लेकिन जिस तरह के हालात हैं उसे देख कहा जा सकता है कि यह फिल्म भी आगे बढ़ जाएगी।

कंगना रनौट की 'थलाइवी' आगे बढ़ चुकी है। जून में रणवीर सिंह की 83 और रणबीर कपूर की शमशेरा को रिलीज करने की घोषणा की जा चुकी हैं, लेकिन ये फिल्में भी शायद ही घोषित तारीखों को रिलीज हो सके।

फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े एक सूत्र ने बताया- 'अभी ऐसे हालात नहीं है कि सिनेमाघर खोले जाए। ये सभी बड़े बजट की फिल्में हैं। इन्हें पूरे देश में अच्छा व्यवसाय करना होगा तभी ये अपनी लागत वसूल कर पाएंगी। जून तक लगता नहीं है कि पूरे देश के हालात अच्छे होंगे। सिनेमाघर भी जुलाई में ही शुरू हो सकेंगे। ऐसे में ये फिल्में जुलाई मध्य के बाद से लेकर अगस्त तक रिलीज हो पाएंगी।'

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए सूत्र ने कहा- 'इन फिल्मों के निमार्ताओं ने तय कर रखा है कि वे अपनी फिल्मों को ओटीटी पर नहीं देंगे। इतने दिन रूके हैं ऐसे में दो-तीन माह और रूका जा सकता है।'

बड़ी फिल्म वाले रूक गए। कुछ फिल्में ओटीटी पर आ रही हैं, लेकिन दिक्कत उन फिल्म निमार्ताओं को हो रही है जिनकी फिल्मों को ओटीटी वाले भी नहीं ले रहे हैं। ऐसे में सिनेमाघर में रिलीज करने का एकमात्र विकल्प ही उनके पास है।

सबसे ज्यादा मुसीबत में सिनेमाघर मालिक हैं। फिल्म निमार्ताओं में से कुछ का काम ओटीटी वालों ने कर दिया है, लेकिन सिनेमाघर बंद पड़े हैं। बिजली का बिल और स्टाफ की सैलेरी का खर्चा जारी है। हालत यह है कि कस्बों और गांवों के कुछ सिंगल स्क्रीन तो अब शायद ही शुरू हो सके। मल्टीप्लेक्सेस की हालत भी बहुत खराब है। कोविड-19 की सबसे बुरी मार फिल्म इंडस्ट्री पर भी पड़ी है।

रेड ड्रेस में निक्की ने ढाया गजब, मिले डेढ़ लाख से ज्यादा लाइक्स

निक्की तंबोली ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटो शेयर किया है। रेड कलर की ड्रेस में वे गजब की हॉट लग रही हैं। कंधे से सरकती इस ड्रेस में ये बेहद सेक्सी लग रही हैं। इस फोटो को खूब पसंद किया जा रहा है। 5 घंटे में डेढ़ लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। तस्वीर पसंद करने वालों में जान कुमार सानू भी हैं जिनसे निक्की की बिग बॉस में दोस्ती काफी पसंद की गई थी। निक्की आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर पोस्ट करती रहती हैं और उनका यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। बिग बॉस शो भले ही निक्की जीत नहीं पाई हो, लेकिन वे इस रियलिटी शो में बहुत पसंद की गई और शो की हॉटेस्ट प्रतियोगी थी। निक्की का बड़बोलेपन के लोगों ने खूब मजे लिए। कई बार उन्होंने लाइन भी क्रॉस की जिसके लिए सलमान खान ने उन्हें डांट भी लगाई। खबर है कि निक्की ने एक और रियलिटी शो साइन किया है जिसके बारे में जल्दी ही बताया जाएगा।

अक्षय को पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जाएगा सम्मानित

दुनियाभर के सेलेब्स पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुकता फैलाने में अपना योगदान दे रहे हैं और अपने फैंस से भी अपील करते रहते हैं कि वो पर्यावरण को बचाने में सहयोग करें। बॉलीवुड सेलेब्स की बात करें तो दीया मिर्जा, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन और अजय देवगन जैसे फिल्मी सितारों के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं।

अब इस कड़ी में एक्टर अक्षय कुमार का नाम भी जुड़ गया है। अक्षय वैसे भी कई सामाजिक काम करते रहते हैं। लेकिन अब खिलाड़ी कुमार को पर्यावरण संरक्षण में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया जा रहा है।खबरों के मुताबिक, गोल्डन ग्लोब ऑनर्स फाउंडेशन अक्षय कुमार को हॉलीवुड सुपरस्टार लियानार्डो डिकैप्रियो और अन्य सितारों के साथ में सम्मानित किया जाएगा।अक्षय कुमार लगातार गरीब लोगों के बीच साफ-सफाई के लिए जागरुकता फैला रहे हैं। वहीं, लियानार्डो पिछले काफी समय से समुद्र में जैव विविधता और जंगलों के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं।

ये पहली बार नहीं है जब अक्षय किसी ऐसे मुद्दे को लेकर जागरुकता फैला रहे हैं और इससे पहले भी उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है।इससे पहले अक्षय ने सेनेटरी पैड और घरों में शौचालय बनवाने को लेकर भी जागरुकता फैलाई थी। उन्होंने इन मुद्दों से जुड़ी फिल्मों 'पैडमैन' और 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' में अभिनय किया था।

'गीतांजलि' पढ़ते हुए रिया चक्रवर्ती ने शेयर की तस्वीर, बयां किया अपना दर्द

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती काफी विवादों में रही है। रिया पर कई तरह के आरोप लगे थे। इतना ही नहीं उन्हें कुछ समय जेल में भी बिताना पड़ा था, लेकिन अब धीरे-धीरे एक्ट्रेस अपनी नॉर्मल लाइफ में वापसी कर रही हैं।

हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इस तस्वीर में वह रवींद्रनाथ टैगोर की किताब 'गीतांजली' पढ़ते हुए नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने विश्वास बनाए रखने के लिए बड़ी बात कही है।

तस्वीर के साथ रिया ने लिखा, 'एक सवाल और एक अफसोस 'ओह' और 'कहां'? हजारों धाराओं के आंसू में पिघल गए और आश्वासन की बाढ़ में दुनिया को ले लिया कि 'मैं हूं'- रवींद्रनाथ टैगोर, गीतांजलि।' रिया ने गीतांजलि की

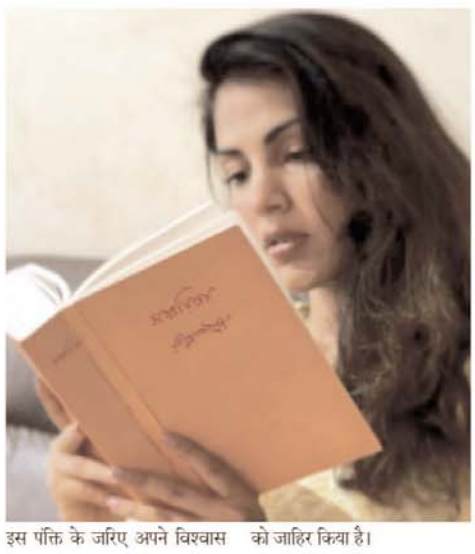

इस पंक्ति के जरिए अपने विश्वास को जाहिर किया है।

हाल ही में रिया चक्रवर्ती को गेटवे ऑफ इंडिया पर स्पॉट किया गया था। वह मुंबई स्थित गेटवे ऑफ इंडिया से अलीबाग को रवाना होती देखी गईं थी। इस मौके पर एक्टर साकिब सलीम और डिजाइनर मनीष मल्होत्रा भी नजर आए थे। कहा जा रहा है कि अलीबाग में साकिब का जन्मदिन मनाया गया। ऐसे में सभी अलीबाग में जश्न के लिए इकट्ठे हुए थे।

बता दें कि सुशांत की मौत के बाद उनके पिता ने रिया के खिलाफ पटना में एफआईआर दर्ज करवाया था। जिसमें उन्होंने रिया पर सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने और धोखाधड़ी की शिकायत सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। एक्टर की मौत की जांच में ड्रग्स एंगल भी सामने आया था जिसमें रिया और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती को कुछ दिन के लिए पुलिस कस्टडी में भी रखा गया था।

कोरोनावायरस से उबरे आर माधवन, अब भी बरत रहे हैं सावधानी

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इस महामारी की चपेट में कई बॉलीवुड सेलेब्स भी आ रहे है। बीते दिनों बॉलीवुड एक्टर आर माधवन भी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। अब माधवन ने कहा कि वह कोरोनावायरस संक्रमण से उबर चुके हैं लेकिन अब भी अत्यधिक सावधानी बरत रहे हैं।

अभिनेता ने ट्विटर पर कहा कि उनकी मां कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं पाई गई हैं। माधवन ने लिखा, फिक्र और दुआ करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। अम्मा समेत घर पर सभी लोग एक बार फिर कोविड-19 से पीड़ित नहीं पाए गए।

उन्होंने कहा, हालांकि हमने संक्रमण का चरण पूरा कर लिया है लेकिन फिर भी हम सभी अत्यधिक सावधानी, एहतियात बरत रहे हैं और घर पर भी सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। ईश्वर की कृपा से हम सभी अब स्वस्थ हैं। माधवन ने 25 मार्च को सोशल मीडिया पर खुद के कोविड-19 से पीड़ित होने की खबर दी थी। उनकी अगली फिल्म 'रॉकेट्री : द नाम्बी इफेक्ट' होगी जो निर्देशक के तौर पर भी उनकी पहली फिल्म होगी।

बेरोजगार, शराबी और निराश बॉबी देओल ने फिर हासिल की सफलता

रेस 3, हाउसफुल 4, द क्लास ऑफ 83 और आश्रम जैसी फिल्मों तथा वेबसीरिज ने बॉबी देओल के चेहरे पर फिर मुस्कान ला दी है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब बॉबी देओल गुमनामी के अंधेरों में खो गए थे। उनके पास काम नहीं था। वे दिन भर घर पर रहते थे। इस बात पर शर्मिंदा होते रहते थे कि उनके बेटे देख रहे हैं कि बाप बेकार है और सारा दिन घर बैठा रहता है। नैराश्य ने घेर लिया तो बॉबी ने शराब में अपने को डूबो लिया। जिम जाना छोड़ दिया। उनकी यह हालत देख परिवार को चिंता होने लगी।

इसी बीच खुद बॉबी के ही दिमाग की बत्ती जली। उन्होंने एक बार फिर कुछ कर दिखाने की ठानी। जिम में जाकर शेप में आए। अपने दोस्तों और फिल्म निमार्ताओं से मिले। लोगों को लगा कि बॉबी अपने करियर के बारे में सीरियस हैं। सलमान खान जैसे दोस्त आगे आए और बॉबी को काम मिलने लगा। रेस 3 और हाउसफुल 4 जैसी फिल्मों में बॉबी का रोल बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन वे पसंद किए गए। दूसरी ओर उन्होंने अपना काम अनुशासित तरीके से किया जिसके कारण फिल्म प्रोड्यूसर्स के बीच उनकी अच्छी छवि बनी कि वे अपने काम को लेकर गंभीर हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म इन दिनों भारतीयों में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके लिए वेबसीरिज और फिल्में बनाई जा रही हैं। शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने बॉबी को लेकर 'द क्लास ऑफ 83' नामक फिल्म बनाई। फिल्म में कोई नई बात नहीं थी, लेकिन बॉबी को ऐसा रोल निभाने को मिला जो उन्होंने पहले नहीं निभाया था।

बॉबी के अनुसार वे एक चुनौतीपूर्ण रोल तलाश रहे थे जो उनकी छवि बदले और इस फिल्म के जरिये उन्हें यह अवसर मिल गया। यह रोल निभाना आसान नहीं था क्योंकि बॉबी को अपने कम्फर्ट झोन से बाहर आना था। बॉबी ने रियल लाइफ के नजदीक वाला रोल पहले कभी नहीं निभाया था। लेकिन बॉबी में आत्मविश्वास था और उन्होंने इस रोल को न केवल स्वीकारा बल्कि उम्दा तरीके से अभिनीत भी किया। उन्होंने यह रोल निभाते समय सावधानी बरती कि किरदार में बॉबी देओल की शख्सियत ना झलके।

बॉबी का कहना है कि विजय सिंह नामक यह किरदार और उनकी जिंदगी में समानता है। विजय सिंह भी उनकी तरह ऐसी परिस्थितियों में घिर जाता है जहां वह बहुत कुछ करना चाहता है, लेकिन कुछ नहीं कर पाता और इसको लेकर वह परेशान रहता है। बॉबी की भी हालत ऐसी ही हो गई थी जब शानदार चल रहे करियर में अचानक ब्रेक लग गया और वे बेरोजगार हो गए थे।

प्रकाश झा की वेबसीरिज 'आश्रम' में भी बॉबी के हाथ एक जोरदार किरदार लगा। वे संत की भूमिका में नजर आएं जिसमें कई रंग थे। बॉबी के अभिनय की काफी तारीफ हुई और यह वेबसीरिज करोड़ों लोगों ने देखी। बॉबी खुद इसकी सफलता से चकित रह गए। अपने उम्दा अभिनय का श्रेय वे प्रकाश झा को देते हैं।

बॉबी की डिमांड फिर बढ़ गई है। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने कई स्क्रिप्ट पढ़ डाली है और काम पर लौटने के लिए बेचैन हैं। वे कहते हैं कि वे जब बुरे दौर से गुजर रहे थे तो उनके परिवार और खासतौर पर पत्नी तान्या का उन्हें अद्भुत सपोर्ट मिला जिससे के कारण वे जल्दी उबर गए।

एक नजर...

लखीमपुर का एक ऐसा गांव जहां महिलाएं नहीं कर सकती मतदान, पुरुषों ने नहीं दिया अधिकार

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर जिले का एक ऐसा गांव जहां महिलाएं मतदान नहीं कर सकती। यहां गांव के पुरुष महिलाओं का वोट देना अच्छा नहीं समझते। हर बार की तरह इसबार भी मतदान कर्मी इंतजार करते रहे लेकिन सुबह 11:30 बजे तक कोई महिला मतदाता वोट डालने नहीं पहुंची। गनेशपुर में गांव के पुरुष महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं देते। 2010 में यहां महिला सीट थी तो भी महिलाओं के वोट नहीं पड़े थे। गांव के पुरुष महिलाओं का वोट देना अच्छा नहीं समझते। हर बार यहां प्रशासन कवायद करता है। इस बार कोई कोशिश भी नहीं हुई है। यह परंपरा 70 साल से चल रही है।

मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह- मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह तो दिखा, लेकिन कोरोना गाइड लाइन का पालन नहीं। मतदान केंद्रों के बाद बिना डिस्टेंसिंग के कतार लगी हुई थी। हालांकि अधिकांश लोगों ने मास्क लगाया हुआ था, लेकिन यहां भी कई लोग ऐसे थे बिना मास्क के ही मतदान करने जा पहुंचे।

फर्टिलाइजर कंपनी में एक साथ सवा सौ कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव, दो की मौत

संभल। देश की बड़ी उर्वरक निर्माता कंपनी यारा फ़र्टिलाइज़र बबराला में कोरोना संक्रमण के गंभीर हालात बन गए हैं। कंपनी के सवा सौ कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। वहीं एक युवती सहित दो लोगों की कोरोना के चलते मौत हो चुकी है। 10 दिन पहले यारा फर्टिलाइजर बबराला की एक कर्मचारी की जांच की गई तो उसे कोरोना संक्रमण होने की बात सामने आई थी इसके बाद ही कंपनी प्रबंधन तंत्र ने स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करते हुए अपने सभी अधिकारी कर्मचारियों की कोरोना जांच कराने का सिलसिला शुरू किया था जांच से पता चला कि कंपनी के कर्मचारियों में बड़े पैमाने पर कोरोना का संक्रमण फैला हुआ है अब तक आई जांच रिपोर्ट में कंपनी के लगभग सवा सौ कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण की बात सामने आई है वही कोरोना से एक कर्मचारी व दूसरे कर्मचारी के परिवार की युवती की मौत हो चुकी है। यारा फर्टिलाइजर से जुड़े कुछ कर्मचारियों की जांच रिपोर्ट अभी आनी बाकी रह गई है। स्वास्थ्य विभाग व कंपनी प्रबंधन तंत्र कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए व्यापक इंतजाम कर रहा है।

कोरोना के चलते मुलायम, अखिलेश, डिंपल नहीं पहुंचे वोट डालने

लखनऊ। विश्व भर में तबाही मचा रहे कोरोना संक्रमण ने अबकी सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व कन्नौज की पूर्व सांसद डिंपल यादव ने वोट डालने से रोक दिया। तीनों ही नेता पंचायत चुनाव में वोट डालने नहीं आ सके। हर चुनाव में परिवार के साथ उत्साहित होकर लखनऊ से आकर वोट डालने वाले सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव अबकी सैफई नहीं आ सके। स्वास्थ्य कारणों से सैफई न आने के कारण उनके समर्थकों में मायूसी दिखाई दी। जबकि कुछ दिन पहले ही कोरोना संक्रमित निकलने के कारण सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वोट डालने नहीं आ सके। अखिलेश की पत्नी कन्नौज की पूर्व सांसद डिंपल यादव भी वोट डालने नहीं आई। जबकि सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो.रामगोपाल यादव भी वोट डालने नहीं पहुंच सके। मुलायम सिंह के भाई अभयराम यादव, राजपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव ने अपने परिवार के साथ आकर सैफई में वोट डाला। जबकि सैफई द्वितीय जिला पंचायत सदस्य सीट से प्रत्याशी मुलायम सिंह के भतीजे निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव अंशुल, उनकी पत्नी डा.स्वीटी, उनके भाई आर्यन, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व सांसद व लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव, शिवपाल सिंह के बेटे आदित्य यादव समेत परिवार के अन्य लोगों ने वोट डाला।

प्रसपा चाहती है भाजपा के खिलाफ सब मिलकर लड़ें-शिवपाल

सैफई। पंचायत चुनाव में वोट डालने सैफई पहुंचे प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि पंचायत इटावा में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव प्रसपा व सपा ने मिलकर लड़ा है, उनकी ओर से भतीजे अभिषेक यादव को फिर से जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने के लिए समर्थन किया गया है। सभी 24 सीटों पर प्रसपा सपा के संयुक्त प्रत्याशी ही चुनाव जीतेंगे और फिर से अभिषेक यादव जिला पंचायत अध्यक्ष बनेंगे। चार दशक से लगातार सैफई ग्राम प्रधान का निर्विरोध चुनाव होता रहा है, इस बार भी पूरे गांव ने रामफल बाल्मीकि को जिताने का फैसला किया था लेकिन कुछ षडयंत्रकारियों ने एक प्रत्याशी खड़ा करा दिया लेकिन इससे कुछ फर्क नहीं पड़ेगा और जीत रामफल की ही होगी। विधानसभा चुनाव में भी वह चाहते हैं कि सभी सेक्युलर पार्टियां मिलकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ें।

ज्यादातर सपा प्रत्याशी ही जीतेंगे- अभिषेक

सैफई। पंचायत चुनाव के लिए वोट डालने परिवार संग पहुंचे निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव के भतीजे अभिषेक यादव अंशुल ने कहा कि ज्यादातर जिला पंचायत सदस्य व बीडीसी सपा के ही जीतेंगे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो रणनीति बनाई है कि 24 सीटों पर सपा के प्रत्याशी जीतें तो वो जीतेंगे भी। भाजपा केवल झूठ बोलना जानती है और अब इस चुनाव में भी मतदान के पहले ही जीतने जैसा झूठ बोल रही है, लेकिन जमीन पर भाजपा का कुछ नहीं है और उनके लोग जमीन पर उतरना भी नहीं चाहते हैं। केवल हवा हवाई बातें करने से चुनाव नहीं जीता जाता है, चुनाव जमीन पर उतरकर जनता के बीच रहकर और उनके काम करके जीता जाता है।

लोग बोले- अब सीएम योगी को यूपी में भी लगा देना चाहिए लॉकडाउन

लखनऊ। दिल्ली में लॉकडउान के बाद अब यूपी के लोगों ने भी प्रदेश में लॉकडाउन की बात उठाई है। लोग चाहते हैं यहां तत्काल लॉकडाउन लग जाए। वहीं बांदा सदर से बीजेपी विधायक हैं प्रकाश द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर मांग की है कि पंचायत चुनाव तत्काल रोके जाएं। उन्होंने पत्र में कहा है कि कोरोना से गांवों में लोग मर रहे हैं, लोगों की जान बचाना जरूरी है।

बता दें कि केजरीवाल सरकार ने राजधानी में 6 दिनों का लॉकडाउन का ऐलान किया है। यह लॉकडाउन आज रात से 26 अप्रैल की सुबह तक रहेगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह फैसला सोमवार सुबह उपराज्यपाल अनिल बैजल से मीटिंग के बाद लिया है। सीएम ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आज रात को 10 बजे से अगले

सोमवार को सुबह 5 बजे तक 6 दिन के लिए दिल्ली में लॉकडाउन लगाया जा रहा है। इस दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी, मेडिकल व्यवस्थाओं की, खाने-पीने की सेवाएं जारी रहेंगी। शादियां भी होंगी, पर 50 लोगों के साथ, उसके लिए अलग से पास दिए जाएंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि ??पिछले 24 घंटे में लगभग 23,500 मामले आए हैं। संक्रमण दर बहुत ज्यादा बढ़ गई है। दिल्ली के अस्पतालों में बेड की भारी कमी हो रही है। ढ्ढष्ट बेड लगभग खत्म हो रहे हैं। 100 से भी कम ढ्ढष्ट बेड बचे हैं। दवाईयों की कमी हो रही है।केजरीवाल ने कहा कि अगर हर दिन 25 हजार केस आएंगे तो किसी भी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ठप हो सकती हैं। दिल्ली के अंदर कोरोना के कारण काफी गंभीर हालात है। दिल्ली में कोरोना की चौथी वेब आई है।

जानें क्या कहती है यूपी की पब्लिक- लखनऊ की इंदिरा नगर में रहने वाली सुनीता आर्या का कहना है कि यूपी में लॉकडाउन बहुत जरूरी हो गया है। अभी भी बहुत से लोग बाहर निकल रहे हैं। वहीं कानपुर के अजय अग्रवाल का कहना है कि बिना लॉकडाउन के कुछ नहीं हो सकता। ऐसे में योगी सरकार को इस पर तत्काल फैसला लेना चाहिए। वहीं वाराणसी के मनीष सिंह की राय अलग है। मनीष का कहना है लॉकडाउन से कुछ नहीं होगा। अधिकांश शहरों में तो व्यापार मंडल पहले से ही खुद ही बाजार बंद रख रहे हैं। ये भी एक तरह का लॉकडाउन ही है। बलिया की ज्योति कहती हैं कि अब बिना लॉकडाउन के कुछ नहीं हो सकता।

बलिया में स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमला, आरोपियों पर लग सकता है एनएसए

बलिया। बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में रविवार को कोविड-19 के एक मरीज को दवा देने और उसके पृथक-वास की स्थिति देखने पहुंचे स्वास्थ्य विभाग की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। घटना में दो चिकित्सकों सहित चार स्वास्थ्य कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इस सिलसिले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं प्रशासन आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई पर विचार कर रहा है। बलिया के अवर पुलिस अधीक्षक संजय यादव ने सोमवार को बताया कि जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के पासवान चौक गांव में घनश्याम नामक व्यक्ति कोविड-19 से पीड़ित है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा अधिकारी डॉ नीरज कुमार सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम जब गांव पहुंची तो स्थानीय महिलाओं, बच्चों समेत करीब साठ लोगों ने सरकारी वाहन को घेर लिया और टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम वहां से बाहर निकलने में सफल रही। घटना में चिकित्सक डॉक्टर नीरज कुमार सिंह व डॉ अमित कुमार गौतम, प्रयोगशाला सहायक डॉ उपेंद्र प्रसाद और वाहन चालक लाल बहादुर यादव घायल हो गए। यादव ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों की शिकायत पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जितेंद्र नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जिलाधिकारी अदिति सिंह ने आज पीटीआई-भाषा को बताया कि आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई करने पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमला करने वाले कतई बख्शे नहीं जाएंगे।

लखनऊ के बाद बनारस में भी डीआरडीओ बनाएगा

1000 बेड का अस्थायी कोविड अस्पताल, बीएचयू स्टेडियम में होगा निर्माण

वाराणसी। रक्षा मंत्रालय की संस्था रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) लखनऊ के बाद वाराणसी में भी अस्थायी हास्पिटल का निर्माण करेगा। अस्पताल में कोरोना से सम्बंधित सभी प्रकार का इलाज मुहैया कराया जाएगा। प्रधानमंत्री की शनिवार को हुई बैठक के बाद कोरोना से लड़ाई के लिए जिला प्रशासन और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद इसका फैसला हुआ।बीएचयू परिसर स्थित स्टेडियम में एक हजार बेड का अस्थायी अस्पताल बनाया जाएगा। इसका निर्माण दो हफ्ते में कर लिया जाएगा।

सर्किट हाउस सभागार में एमएलसी एके शर्मा की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा,

नगर आयुक्त गौरांग राठी सहित डीआरडीओ, बीएचयू, सीपीडब्ल्यूडी, बिजली अधिकारियों के साथ सोमवार की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। माना जा रहा है कि एक दिन पहले वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में जिला प्रशासन की वर्तमान व्यवस्था पर प्रधानमंत्री असंतुष्ट हैं। इसके बाद से यहां की तैयारियों का विस्तार दिया जाने लगा है। डीएम कौशल राज शर्मा ने बताया कि एक हजार बेड का अस्थाई अस्पताल बीएचयू के स्टेडियम में बनने जा रहा है, जो सभी मेडिकल सुविधाओं से युक्त होगा। जर्मन हैंगर से निर्मित यह अस्पताल अगले दो हफ्तों में डीआरडीओ की ओर से 24 घंटे कार्य करते हुए तैयार कर लिया जाएगा। अस्पताल के लिए बिजली, पानी आपूर्ति और सीवर के कनेक्शन के लिए फील्ड विजिट सम्बंधित अधिकारियों ने करना शुरू कर दिया है। डीआरडीओ के द्वारा फार्मेसी, आक्सीजन सप्लाई, मचंरी आदि की भी व्यवस्था की जाएगी। डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ व अन्य टेक्नीशियन की व्यवस्था में प्रशासन अभी से जुट गया है। बीएचयू के डाक्टर्स और मेडिकल स्टाफ का डाटा भी मांगा गया है। यहां एक ही स्थान पर अधिक से अधिक मरीजों का इलाज सुगमता से किया जा सकेगा।

फर्जी वोटिंग के आरोप में मारपीट, पूर्व प्रधान हिरासत में

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर-खीरी में सोमवार दोपहर पंचायत चुनाव के दौरान मितौली ब्लाक के खंजननगर गांव में फर्जी वोटिंग के आरोप में हंगामा होने लगा। प्रधान पद के दो प्रत्याशी आमने-सामने आ गए।

बताया जाता है कि शहर में रहने वाले कुछ लोग यहां मतदान करने पहुंचे थे। दोनों ही प्रत्याशियों की तरफ से ऐसे मतदाताओं को लखीमपुर, गोला से गाड़ियों में बिठा कर लाया गया था। इनकी पहचान को लेकर सवाल हुआ तो दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इससे पहले कि पुलिस कुछ कर पाती बूथ के बाहर दोनों में मारपीट होने लगी। इस घटना में 3 लोगों को चोटें लगी हैं। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने एक प्रत्याशी के पति को हिरासत में ले लिया है। उधर डीएम शैलेन्द्र सिंह और एसपी विजय ढुल ने मतदान केंद्र का जायजा लिया। डीएम ने बताया बूथ के बाहर कुछ लोग हंगामा कर रहे थे।उन्होंने आपस में मारपीट की है मतदान पर इसका कोई असर नहीं है।

अमरोहा में फर्जी वोटिंग की सूचना पर दो पक्षों के बीच पथराव और फायरिंग

अमरोहा रजबपुर। अमरोहा जिले के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव आरिफपुर माफी में फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर दो पक्षों के बीच पथराव हो गया। एक पक्ष से फायरिंग भी की गई। गोली लगने से गांव निवासी एक युवक जख्मी हो गया। गंभीर हालत में मेरठ रेफर किया गया। मौके पर पहुंचे डीएम-एसपी ने बमुश्किल हालात संभाले। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

मंडी धनौरा ब्लाक का गांव आरिफपुर माफी रजबपुर थाना क्षेत्र में आता है। गांव के प्राथमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर दो बूथ बनाए गए हैं। सोमवार सुबह सात बजे से यहां मतदान शुरू हुआ। बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव गंदूपाल निवासी अतुल चौधरी व आरिफपुर निवासी देवेंद्र सिंह प्रधान पद का चुनाव लड़ रहे हैं। आरोप है कि जब अतुल चौधरी के पिता कमल सिंह वोट डालने पहुंचे तो दूसरे प्रत्याशी ने फर्जी वोटिंग किए जाने का आरोप लगाते हुए विरोध जतसया। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच तकरार हो गई। कुछ ही देर में विवाद मारपीट और पथराव में बदल गया। अफरा तफरी मच गई। आरोप है कि इसी बीच देवेन्द्र सिंह पक्ष के राजेंद्र सिंह ने फायरिंग कर दी। गोली मौके पर मौजूद कमल सिंह पुत्र भारत सिंह के सीने में लगी। वह लहूलुहान होकर

जमीन पर गिर गया। मतदान केंद्र पर भगदड़ मच गई। लोग मतदान छोड घरों में जा छुपे। मतदान कार्मिकों ने भी खुद को कमरे में बंद कर मतदान रोक दिया। पथराव व फायरिंग में प्रत्याशी अतुल चौधरी व उसका भाई पुनीत भी घायल हुआ। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कमल सिंह को हायर सेंटर मेरठ रेफर किया गया। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे डीएम उमेश मिश्र व एसपी सुनीति ने घटना की जानकारी की। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। उधर, पूरे घटनाक्रम के बीच मतदान केंद्र पर डेढ़ घंटे तक मतदान बाधित रहा। दोपहर 12 बजे के बाद मतदान शुरू कराया जा सका।

औरैया में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से दो की मौत, 7 गंभीर

औरैया। नवरात्र की सप्तमी पर जालौन देवी मंदिर से दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली बीझलपुर अयाना मार्ग पर सडरापुर मोड़ के पास पलट गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि करीब 7 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। अयाना थाना पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया है। नवरात्र पर अयाना थाना क्षेत्र के नवादा ज्वाला प्रसाद गांव से तीन ट्रैक्टर ट्राली से करीब 20 परिवारों के लोग देवी दर्शन के लिए जालौन जिला गए थे। जालौन में देवी मंदिर से पूजन करके सभी गांव लौट रहे थे। सुबह करीब नौ बजे रास्ते में एक दूसरे को ओवरटेक करने में ट्रैक्टर अनियंत्रित होने से ट्राली खाई में पलट गई। ट्राली सवार लोग उसके नीचे दब गए जिससे मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने किसी तरह से उन्हें बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में आशा देवी पत्नी राजन सिंह और नीलम पत्नी लक्ष्मी चंद्र निवासी ग्राम नवादा ज्वाला प्रसाद की मौत हो गई है। करीब 7 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएचओ नवीन कुमार ने बताया कि पांच लोगों की हालत ज्यादा गंभीर होने से उन्हें सैफई रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है कि घायल व मृतक एक ही परिवार के हैं।

बांदा में पांच साल की बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या

बांदा। यूपी के बांदा जिल के बबेरू के मर्का थाना क्षेत्र में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। 40 वर्षीय आरोपित ने शव अपने घर के आंगन में जमा पयार में छिपाकर रखा था। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रविवार देर शाम का है। मर्का थानाक्षेत्र गांव निवासी पांच वर्षीय बच्ची रविवार शाम करीब चार बजे अपने घर बाहर खेल रही थी। घर के ठीक सामने रहनेवाले आरोपित ने उसे लड़या, नमकीन और पेठा का लालच देकर अपने घर में बुलाया। बच्ची के घर में जाते ही अंदर से दरवाजा बंदकर उसका मुंह दबा पकड़ लिया। आरोपित ने बच्ची के साथ दुष्कर्मकर अपनी लुंगी से उसका गला कसकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव अपने घर के अंदर के आंगन में जमा पयार में छिपा दिया। इधर, काफी देर तक बच्ची के लापता रहने से उसकी मां और आसपास के लोग खोजबीन में लगे रहे। लेकिन कोई पता नहीं चला।

पंचायत चुनावः

वाराणसी में कहीं लाठीचार्ज तो कहीं हल्की झड़प के बीच वोटिंग

वाराणसी। वाराणसी में सुबह सात बजे से ही वोटिंग शुरू हो गई है। एक बजे तक 35 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। कुछ जगहों पर विवाद हुआ। पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज में बने बूथ पर लगी प्रत्याशियों और समर्थकों की भीड़ को पुलिस ने हल्की लाठीचार्ज कर खेड़दा। एक युवक को हिरासत में लिया। फूलपुर थाना क्षेत्र के अतिसंवेदनशील बूथ बेलवा पर वोट डालने को लेकर हुए विवाद में एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया। पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज व स्वराजी देवी इंटर कालेज बूथ से कई मतदाता बिना वोट दिए बैरंग लौटे, मतदाता सूची से नाम मिला गायब। फर्जी वोट डालने को लेकर.आराजीलाइन के प्राथमिक विद्यालय कंठीपुर मे मारपीट की सूचना पर एसडी लएम राजातालाब व सीओ सदर पहुंचे। रोहनिया क्षेत्र के जगतपुर इन्टर कालेज पर फर्जी मतदान का आरोप को लेकर झड़प हो गई। इसके बाद जानकारी होने पर मौके पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया। प्रशासन के अनुसार कंठीपुर में मतदान को लेकर दो प्रत्याशियों के बीच झड़प हुई थी, पुलिस ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। चौबेपुर क्षेत्र के शाहपुर प्राथमिक विद्यालय पर मतदान के समय एक व्यक्ति ने मतदान अधिकारी पर हाथ छोड़ दिया। सूचना मिलते ही चौबेपुर पुलिस पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर थाने ले गई। शाहपुर प्राथमिक विद्यालय पर मतदान के समय एक युवक शराब के नशे में एक सिपाही से उलझ गया। इसेक बाद साथ के पुलिसकर्मियों ने पकड़ कर एसओ चौबेपुर के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया एक सिपाही

से शराब के नशे में हाथापाई के दौरान हाथ छोड़ने की बात गलत है, उसे हिरासत में रखा गया है। वहीं दासेपुर में एक मतदाता का फर्जी मतदान होने पर नाराजगी जताई गई है। उसने मौके पर अधिकारी से शिकायत भी की। पिंडरा के नेशनल इंटर कालेज व स्वराजी देवी इंटर कालेज बूथ से कई मतदाता बिना वोट दिए बैरंग ही लौट गए। बताया कि मतदाता सूची से नाम गायब होने की वजह से सभी वोट देने से वंचित हैं। दोपहर होने से पहले ही केंद्रों पर भारी भीड़ शुरू हो गई। सुबह 11 बजे तक कुल 23.5 फीसद मतदान हो चुका था। वहीं नरोत्तम पुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में चल रहे मतदान में वोटर लिस्ट में नाम ना होने पर कई ग्रामीण परेशान नजर आए। चिरईगांव में जिलापंचायत सेक्टर नं चार से प्रत्याशी सुशीला सोनकर की आकस्मिक मौत से सभी सन्न रह गए। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान, जिला, क्षेत्र व पंचायत सदस्य पद के लिए 2592 बूथों पर मतदान सुबह सात बजे से शुरू हो गया। हालांकि सुबह रफ्तार सुस्त रही। बावजूद जिले में 9 फीसद मतदान हुआ। कोरोना संक्रमण को लेकर कुछ बूथो पर लोग अलर्ट दिखे तो वहीं लापरवाही भी नजर आई। दावे के बावजूद भी बूथों पर सैनिटाइजर न ही हाथ धोने के लिए साबुन ही नजर आए। सुबह 9 बजे के बाद कई बूथ लंबी लाइन लगी हुई है। हालांकि, कोविड के भय की वजह से वोटिंग कम होने के कयास लगाए जा रहे हैं। वोटर लिस्ट में नाम न होने पर कई बूथों पर वोटरों ने बवाल काटा। हालांकि पुलिस की सख्ती के कारण कुछ ही देर में मामला शांत हो गया। हर बूथ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अबकी प्रत्येक बूथ पर रखे हुए एक मतपेटिका में मतदाता ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य पद का मतपत्र वोटिंग के बाद बॉक्स में डाल रहे हैं। मतपत्र के रंग अलग अलग निर्धारित है। प्रधान पद के लिए इस बार हरे रंग का, ग्राम पंचायत सदस्य के लिए सफेद , बीडीसी के लिए नीला व् जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी मतपत्र है। बूथों पर वोटिंग के बाद सभी मटेटिकाए ब्लाक पर तय स्थल पर बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखी जाएंगी। मतदान शाम 6 बजे तक चलेगा। वोटों की गिनती दो मई को होनी है। जिले में वोटर की कुल संख्या 17 लाख 53 हजार 588 है। ब्लाक पर ही वोटों की गिनती होगी। काशी विद्यापीठ ब्लॉक के डाफी पोलिंग बूथ पर वोटर लिस्ट से लोगों के नाम गायब होने को लेकर हंगामा होने पर मौके पर लंका पुलिस ने पहुंचकर लोगों को समझाने बुझाने की कोशिश की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुनगा का पौधा लगाया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन पौधारोपण के संकल्प के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री निवास में मुनगा का पौधा लगाया।

मुनगा का महत्व-सेंजन, मुनगा या सहजन आदि नामों से जाना जाने वाला यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सभी हिस्सों में विभिन्न रोगों के रोकथाम के गुण हैं। यह कई प्रकार के मल्टीविटामिन्स, एंटी आक्सीडेंट, दर्द निवारक और एमिनो एसिड से भरपूर हैं। सहजन में विटामिन सी की मात्रा बहुत होती है। विटामिन सी खासतौर पर सर्दी-जुकाम सहित शरीर के कई रोगों से लड़ता है।

प्रदेश के 9 मेडिकल कॉलेज में लगेगी सीटी, एमआरआई मशीन

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की मौजूदगी में चिकित्सा शिक्षा विभाग और वास्को टेली रेडियोलॉजी कम्पनी के मध्य एमओयू हुआ। कम्पनी द्वारा 9 मेडिकल कॉलेज में सीटी/एमआरआई मशीन लगाई जायेगी। इसमें इंदौर, जबलपुर, सागर, दतिया, शहडोल, शिवपुरी, रतलाम, विदिशा और खण्डवा मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और चिकित्सा शिक्षा विभाग की संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्तव भी मौजूद थीं।

स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम में की समीक्षा-चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग कोविड मरीजों को समुचित उपचार मिल सके, इसके लिये लगातार प्रयासरत हैं। इसके लिये वे स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम जाकर स्थिति का आकलन और व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा लगातार कर रहे हैं। श्री सारंग ने कोविड केयर सेंटर, होम आइसोलेशन, ऑक्सीजन सहित दवाओं की स्थिति का आकलन किया।

मरीजों के स्वास्थ्य पर सतत् निगरानी के साथ उन्हें मोटीवेट भी करें: कलेक्टर

रायसेन। जिले में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण तथा बचाव के लिए की जा रही कार्यवाहियों की कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर समीक्षा की। उन्होंने कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार की विस्तार से जानकारी लेते हुए सीएमएचओ को मरीजों के स्वास्थ्य पर सतत् निगरानी रखते हुए समुचित उपचार के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है, जिसे रोकने के लिए पूरी गंभीरता के साथ समन्वित रूप से काम करना जरूरी है। उन्होंने सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री तथा सिविल सर्जन डॉ एके शर्मा से कहा कि मरीजों को ईलाज के साथ-साथ प्रोत्साहित भी करें। जिससे कि मरीज घबराए नहीं और

कलेक्टर ने की कोरोना नियंत्रण तथा उपचार संबंधी कार्यवाहियों की समीक्षा

बीमारी को लेकर उनमें तनाव भी कम हो। त्वरित और सही उपचार मिलने से मरीज बड़ी संख्या में स्वस्थ्य हो रहे हैं। बैठक में कलेक्टर श्री भार्गव ने कोविड वैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि लोगों को जागरूक करें कि कोरोना से बचाव के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ-साथ वैक्सीनेशन भी जरूरी है। कोरोना के प्रति कोई लापरवाही नहीं बरतनी है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को जिले में कोरोना कर्फ्यू तथा गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बिना जरूरी काम के बाहर घूमने वालों तथा कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री पीसी शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

निर्धन उपभोक्ताओं को तीन माह का राशन मुफ्त दिया जाएगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शहरों और कस्बों के साथ ही प्रदेश के ग्रामों में भी संक्रमण बढ़ने से रोकना है। ग्रामों में जो सुरक्षित हैं, वे सुरक्षित रहें और बाहर न निकलें। जहाँ अधिक संक्रमित रोगी हैं वहाँ कन्टेनमेंट जोन बनाकर संक्रमण नियंत्रण सुनिश्चित करें। हर स्थिति में संक्रमण की चेन तोड़ना है। रहवासी संघ और स्वैच्छिक संगठन सहयोग करें ताकि जो व्यवस्थाएँ छोटी पड़ रही हैं, उन्हें पर्याप्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स से संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खंडवा, बुरहानपुर प्रशासन के संक्रमण नियंत्रण के प्रयासों को सराहनीय बताया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी पात्र निर्धन उपभोक्ताओं को उचित मूल्य की दुकानों से एक साथ तीन माह का राशन निःशुल्क मिलेगा।

साँस की डोर न टूटे-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में संक्रमित रोगियों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए गए हैं। रेमडेसिविर इंजेक्शन भी लगातार आ रहे हैं। इनका न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी रोगी की साँस की डोर न टूटे।

हर व्यक्ति शंका होने पर टेस्ट अवश्य कराएँ-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आइसोलेशन से जुड़ी पूरी व्यवस्थाएँ जिलों में

संक्रमण की चेन तोड़ना प्रत्येक जिले का टास्क हो, संस्थाएँ सहयोग के लिए रहें सक्रिय, मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा जिलों के कलेक्टर्स से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संवाद

सुनिश्चित करें। जिन व्यक्तियों को सर्दी-खाँसी, बुखार है, वे तत्काल जाँच करवाएँ, जाँच की रिपोर्ट आने तक स्वयं को आइसोलेशन में रखें। सेंपल देने के बाद बहुत से लोग घूमते रहते हैं। इस पर भी नियंत्रण करना है। इससे परिवार को संक्रमित होने से बचाया जा सकेगा। यदि घर छोटा है तो कोविड केयर सेंटर जाकर व्यवस्था का लाभ लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर्स से कहा कि जिन जिलों में ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं, वे प्लांट स्थापना का कार्य प्रारंभ करें। कुछ जिलों में ऑक्सीजन सिलेंडर लेने की पहल सराहनीय है। कलेक्टर द्वारा स्थानीय प्रबंध भी सुनिश्चित हों।

भारत और मध्यप्रदेश हमारी माँ है-

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी 30 अप्रैल तक घर से न निकलें, संक्रमण की चैन तोड़ें। भारत और मध्यप्रदेश हम सबकी माँ है, इसके दूध की लाज रखना है। समाज, इस संकट में साथ खड़ा हो। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स से कहा कि आइसोलेशन केन्द्रों के लिए निजी और सरकारी भवन का उपयोग करें। कलेक्टर अपने स्तर पर नवाचार भी करें।

कारावास जाएंगे कालाबाजारी करने वाले-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि औषधियों की कालाबाजारी करने वाले को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएसए) में कारावास भेजें। इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों का जीवन बचाना है। जीवनरक्षक इंजेक्शन को अधिक कीमत पर बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

वित्तीय समस्या नहीं होगी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा किए जाने वाले स्थानीय प्रबंध में वित्तीय समस्या नहीं आने दी जाएगी। राज्य शासन स्तर से धन राशि की कमी नहीं होगी। यह प्रत्येक जिले का टास्क होना चाहिए कि कम से कम रोगी अस्पताल पहुँचे। होम आइसोलेशन व्यवस्था का अधिकतम प्रयास हो। इन्दौर में की गई पहल प्रशंसनीय है। सांसद, विधायक भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। सामाजिक संगठन सरकार के प्रयासों को मजबूत करें। निश्चित ही इस महामारी को हम सभी मिलकर हरा देंगे।

दिव्यांग कोरोना वालेंटियर भगवान सिंह ट्राईसकिल पर गॉव-गॉव जाकर लोगों को कर रहे हैं जागरूक

रायसेन। जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कोरोना वालेंटियर्स द्वारा गॉव-गॉव में लोगों को मास्क लगाने, दो गज की दूरी बनाए रखने और कोविड वैक्सीनेशन के लिए जागरूक किया जा रहा है। सॉची जनपद की ग्राम पंचायत मेढ़की में कोरोना वालेंटियर दिव्यांग श्री भगवान सिंह कोरोना महामारी के विरूद्ध इस लड़ाई में लोगों को जागरूक कर सामाजिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। कोरोना वालेंटियर दिव्यांग श्री भगवान सिंह अपनी ट्राईसकिल पर ग्राम पंचायत के सभी गॉवों में जाकर ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। वह लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करते हुए कहते हैं कि कोरोना को हमें गंभीरता से लेना हैं। वैक्सीन लगवाने स हम अपने परिवार, समाज और जिले को कोरोना से बचा सकते हैं। श्री भगवान सिंह ग्रामीणों को समझाते हैं कि वैक्सीन लगवाने के साथ-साथ मास्क लगाना, सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना, अपने हाथों को बार-बार साबुन से धोते रहना भी जरूरी है। अगर किसी को सर्दी, खाँसी, जुकाम, बुखार जैसे लक्षण होते हैं

तो वह तुरंत स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर जॉच कराएं। भगवान सिंह लोगों को जागरूक करने के दौरान स्वयं भी सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखते हैं। भगवान सिंह जब लोगों को कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतने की समझाईश देते हैं तो वे, भगवान सिंह की बात मानने के साथ-साथ उनके हौंसले की तारीफ भी करते हैं।

ग्रामीण आजीविका मिशन 37 लाख ग्रामीण महिलाओं को कोराना की रोकथाम हेतु कर रहा है प्रशिक्षित

रायसेन। भारत सरकार एवं राज्य शासन की मंशानुसार कोविड-19 महामारी के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसार की रोकथाम हेतु कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार, स्वास्थ्य व्यवहार, प्रतिरक्षा निमार्ण एवं टीकाकरण पर एनआरएलएम अंतर्गत गठित समस्त स्व-सहायता समूह सदस्यों को प्रशिक्षित एवं जागरूक करने का कार्य म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्री एल.एम. बेलवाल ने बताया कि राज्य इकाई कार्यालय के संबंधित योजना प्रभारी को 8 अप्रैल 2021 एवं प्रत्येक जिले से 2 तथा प्रत्येक विकासखंड से 2 मास्टर ट्रेनर (कुल 732) का ऑनलाइन प्रशिक्षण राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, नई दिल्ली द्वारा 12 अप्रैल 2021 को दिया गया है। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर 2 चरणों में आगामी प्रशिक्षण देंगे। समस्त स्व-सहायता समूह सदस्यों को उनके ग्राम स्तर पर प्रशिक्षित करने के लिए प्रत्येक गाँव से एक सीआरपी को ऑनलाईन प्रशिक्षित किया गया है। जिन गाँव में सीआरपी उपलब्ध नहीं है वहाँ ग्राम संगठन के पदाधिकारी अथवा सक्रिय स्व-सहायता समूह सदस्यों तथा समस्त सीएलएफ के पदाधिकारी, ऑफिस वियरर्स तथा सीएलएफ एवं वीओ के सामाजिक गतिविधि उप-समिति के समस्त सदस्यों को ऑनलाईन प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रकार लगभग 1 लाख 40 हजार सदस्यों का प्रशिक्षण प्रचलन में है। द्वितीय चरण में प्रशिक्षित सीआरपी/वीओ के पदाधिकारी/समूह की सक्रिय सदस्य अथवा सीएलएफ पदाधिकारी के माध्यम से ग्राम के समस्त स्व-सहायता समूह सदस्यों को छोटे-छोटे समूहों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए भौतिक रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है।उपरोक्त प्रशिक्षण में समस्त प्रशिक्षणार्थियों को कोविड-19 टीकाकरण पर जागरूकता, कोविड-19 उचित व्यवहार, उपयुक्त स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा वर्धन, भारत सरकार की स्वास्थ्य बीमा एवं स्वास्थ्य वित्त पोषित योजनाएँ, संक्रमण संचार एवं इसकी रोकथाम और रोग-प्रतिरक्षा बढ़ाने के उपाय आदि विषय पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। उपरोक्त प्रशिक्षण से म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कुल प्रवेषित 44 हजार 553 ग्रामों में गठित 3 लाख 26 हजार 447 स्व-सहायता समूहों की लगभग 37 लाख महिला सदस्यों को कोविड-19 की रोकथाम के संबंध में जागरूक एवं प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जो कि 20 अप्रैल 2021 तक पूर्ण किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिये तैयार प्रशिक्षण सामग्री यथा मॉडयूल, पोस्टर, हैण्डआउट, फलायर आदि मास्टर ट्रेनर्स एवं अन्य प्रशिक्षकों (समुदाय सदस्यों) को उपलब्ध कराए जा चुके है।

दवाएँ खरीदते समय उपभोक्ता करें अपने अधिकारों का उपयोग- प्रमुख सचिव श्री किदवई

भोपाल। मूल्य के बदले में वस्तु या सेवा प्राप्त करने वाला व्यक्ति उपभोक्ता है। सेवा के अंतर्गत बैंक, बीमा, परिवहन, विद्युत, मनोरंजन, रेल, डाक, दूरभाष आदि की तरह दवाएँ भी शामिल हैं, जो जीवन रक्षक के रूप में उपभोक्ता क्रय करता है। उपभोक्ता उसके मूल्य का भुगतान तो करता है परंतु आवश्यकता पड़ने पर अपने अधिकारों का उपयोग नहीं करता है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज़ अहमद किदवई ने कहा कि कोई भी व्यापारी अथवा निर्माता उपभोक्ता के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उपभोक्ता को उसके द्वारा भुगतान की गई राशि के बदले वस्तु अथवा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है।

दवाएँ खरीदते समय दें जागरूकता का परिचय-प्रमुख सचिव श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता दवाएँ खरीदते समय पर्चे के साथ दवा के नाम का मिलान कर लें। जब-तक कोई दवाई इस्तेमाल नहीं हो जाती, तब-तक उसके बिल अथवा रसीद को संभाल कर रखें। दवाई के रेपर पर अंकित दवा की उपयोगिता समाप्ति की तिथि को देखकर ही दवा खरीदें। यदि एक्सपायरी डेट निकल गई हो तो न दवा खरीदें और न ही उसका उपयोग करें। ये जिंदगी के लिए नुकसानदायी हो सकती है। श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता सिर्फ डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएँ ही क्रय करें। केमिस्ट की सलाह पर दवाइयों का इस्तेमाल न करें। जागरूक उपभोक्ता के रूप में दवाई के पैकेट पर खरीदी गई दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य के साथ ही उत्पादक का लाइसेंस नंबर को भी देखना चाहिए।

जैनेरिक दवाइयाँ भी है प्रभावशाली-प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि उपभोक्ता जैनेरिक दवाएँ भी डॉक्टर की सलाह लेकर खरीद सकते हैं। ये दवाइयाँ गुणवत्ता में अन्य दवाईयों के समान होती हैं और इनकी कीमत अन्य दवाओं की तुलना में काफी कम होती है। जैनेरिक दवाएँ किसी ब्राण्ड विशेष का इस्तेमाल नहीं करती इसलिए इनकी कीमतें कम होती हैं। उन्होंने बताया कि नकली व मिलावटी दवाइयों के बारे में उपभोक्ता अपनी शिकायत अपने जिले के औषधि निरीक्षक या राज्य के औषधि नियंत्रक से कर सकते हैं।

होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट वितरण के लिए प्रभारी अधिकारी होंगे नियुक्त

रायसेन। नगरीय क्षेत्रों में होम आइसोलेशन में स्थित कोविड मरीजों को उनके घर पर ही कोविड-19 के स्व-प्रबंधन के लिये आवश्यक मेडिसिन किट और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों को पहुँचाने के लिए प्रत्येक जोन, वार्ड के अनुसार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये जाएँ। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास ने समस्त आयुक्त नगर पालिका निगम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उक्त निर्देश जारी किये हैं। प्रमुख सचिव श्री व्यास ने बताया कि प्रत्येक जिले में होम आइसोलेशन में स्थिति मरीजों के मॉनिटरिंग के लिए कन्ट्रोल रूम या कंट्रोल कमांड सेन्टर संचालित हैं। इस व्यवस्था के संचालन के लिए यथा संभव इसे ही केन्द्र बिन्दु बनाया जाए। छोटे निकायों में वार्ड/जोन के अनुसार प्रभारी अधिकारी या टीम की आवश्यकता न हो तो स्थानीय परिस्थिति अनुसार कार्यवाही की जाए।

प्रमुख सचिव नगरीय विकास ने जारी किये निर्देश

मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रतियाँ कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, किन्तु कई जिलों में ऐसी स्थिति हो सकती है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किट के स्थान पर मेडिसिन उपलब्ध कराई जाए, जिसको किट में परिवर्तित करना होगा। नगरीय निकाय इस हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसी किट का निर्माण कलेक्टर के माध्यम से नियुक्त स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुद्रित कर उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो निकाय आवश्यकतानुसार मुद्रण सुनिश्चित किया जाए।

श्री व्यास ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्तमान में होम आइसोलेशन में स्थित ऐसे कोविड मरीज जिनको अभी तक मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध नहीं हुई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से यह उपलब्ध कराई जाए। इसके पश्चात् प्रतिदिन होम आइसोलेशन में रहने वाले नए कोविड मरीजों को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों की सूची जिले के महामारीविद् या कलेक्टर द्वारा नियुक्त अधिकारी से सुबह 7 बजे प्राप्त की जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रतिदिन होम आइसोलेशन में नए मरीजों को उसी दिन उपरोक्तानुसार सामग्री उपलब्ध हो। प्रत्येक निकाय में इस सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी एवं वार्ड एवं जोन वाईज टीम के प्रभारियों के फोन नम्बर का प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अगर होम आइसोलेशन में स्थित किसी मरीज को मेडिकल किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति प्राप्त नहीं होती है, तो वे तुरंत सम्पर्क कर सकें। जिला मुख्यालय में होम आइसोलेशन में स्थित मरीजों के मॉनिटरिंग हेतु निर्धारित कन्ट्रोल रूम, कन्ट्रोल एवं कमांड सेंटर का दूरभाष क्रमांक का पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो, जिस पर भी कोविड मरीज मेडिकल किट प्राप्ति हेतु सूचना दे सकते हैं। शेष निकाय में भी स्थापित किए जाने वाले कन्ट्रोल रूम में दूरभाष नम्बर का प्रचार-प्रसार करें। कन्ट्रोल रूम/कन्ट्रोल कमांड सेन्टर में पर्याप्त संख्या में मेडिसिन एवं मेडिसिन किट की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। उपलब्धता में कमी होने पर तुरंत कलेक्टर के संज्ञान में इस बात को लाया जाए।

सेना भी करेगी संक्रमण नियंत्रण और रोगियों की देखभाल में सहयोग

भोपाल। देशभर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में भारतीय सेना भी हमकदम बनेगी। मध्यप्रदेश से हुई पहल के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भेंट की। भेंट करने वालों में सुदर्शन चक्र कोर कमांडर श्री अतुल्य सोलंकी और ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला शामिल हैं।

भोपाल, जबलपुर, सागर और ग्वालियर

मुख्यमंत्री श्री चौहान से मिले वरिष्ठ सैन्य अधिकारी

केंद्रीय रक्षा मंत्री से हुई मुख्यमंत्री श्री चौहान की चर्चा

में होगी व्यवस्था-सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि कोरोना संक्रमित रोगियों को सेना के अस्पतालों और आइसोलेशन केंद्रों में स्थान दिया जाएगा। भोपाल में लगभग 150, जबलपुर में 100, सागर में 40 और ग्वालियर में 40 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था के लिए प्रयास आज से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री से भी चर्चा हुई-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज ही केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से भी सेना से सहयोग के प्राप्त करने के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने

कहा आवश्यकता हुई तो सेना द्वारा संचालित इन आइसोलेशन केन्द्रों में मध्यप्रदेश शासन आइसोलेटेड रोगियों के लिए ऑक्सीजन व्यवस्था भी उपलब्ध करवाएगा। भोपाल स्थित आइसोलेशन केंद्र के लिए ऑक्सीजन लाइन भी स्थापित की जा सकती है। इससे गंभीर स्थिति होने पर आइसोलेटेड रोगी को आवश्यक उपचार मिल सकेगा।

पैरामेडिकल स्टाफ भी देंगे-सेना के अधिकारियों ने रोगियों की समुचित देखभाल के लिए पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए भी आश्वस्त किया। कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए सेना की ओर से प्रदेश में बिस्तर उपलब्ध करवाने एवं पूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्त किया गया। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए आवश्यक प्रबंध हो जाने से आइसोलेशन रोगियों की देखरेख का कार्य हो सकेगा।

सेना पर गर्व है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय सेना पर हम सभी को गर्व है। संकट के समय में सेना से किए गए अनुरोध का अच्छा रिस्पांस मिला है। यह सच है कि प्रदेश में संक्रमण बढ़ा है। सरकारी प्रयासों का साथ जन- जागरूकता भी बढ़ रही है। आगामी 30 अप्रैल तक मध्यप्रदेश में कोरोना कर्फ्यू लागू है। इसमें जनता भी सहयोग कर रही है।

वरिष्ठ अधिकारी अधिकृत-सेना द्वारा दिए जाने वाले इस सहयोग से संक्रमित रोगियों की बेहतर देखभाल की जा सकेगी। आवश्यक समन्वय के लिए मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी और सेना सुदर्शन चक्र भोपाल की ओर से ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला अधिकृत किए गए हैं।

यह भी युद्ध है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह भी एक तरह का युद्ध है। हम सभी मिलकर लड़ेंगे और विजय प्राप्त करेंगे। कोर कमांडर सुदर्शन चक्र श्री अतुल्य सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता की समस्या हमारी समस्या है। हम इसके समाधान में सहभागी बनेंगे।

ऑनलाइन माध्यम से करें बिजली बिल का भुगतान

रायसेन। वर्तमान में कोविड-19 के बढ़ते विस्तार और लॉकडाउन को देखते हुए उपभोक्ताओं से अपील है कि बिजली बिलों का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए ऑनलाइन भुगतान सुविधा का लाभ लें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा कम्पनी की वेबसाइट (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) या 50 से अधिक बैंकों की इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उपलब्ध है। इसके अलावा उपभोक्ता फोन-पे, गूगल-पे, एचडीएफसी पे-एप, अमेजान-पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से भी बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने निम्नदाब उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे ऑनलाईन बिजली बिल का भुगतान कर अधिकतम 20 रूपये तक अपने बिल में छूट प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ता ऑनलाइन बिजली बिल का भुगतान कर अधिकतम एक हजार रूपये की छूट प्राप्त कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि यदि कोई उपभोक्ता ऑनलाइन बिजली बिल का भुगतान करता है तो उसके द्वारा कुल जमा किए गए बिल पर आधा प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट अधिकतम 20 रूपये तक होगी और न्यूनतम 5 रूपये होगी। इसी प्रकार जो उच्चदाब उपभोक्ता हैं यदि वे ऑनलाइन बिजली बिल का भुगतान करते हैं तो उनके द्वारा कुल जमा किए गए बिजली बिल पर आधा प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अधिकतम एक हजार तक हो सकती है।

एक नजर...

सेना भी करेगी संक्रमण नियंत्रण और रोगियों की देखभाल में सहयोग

मुख्यमंत्री श्री चौहान से मिले वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, केंद्रीय रक्षा मंत्री से हुई मुख्यमंत्री श्री चौहान की चर्चा

ग्वालियर। देशभर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने में भारतीय सेना भी हमकदम बनेगी। मध्यप्रदेश से हुई पहल के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भेंट की। भेंट करने वालों में सुदर्शन चक्र कोर कमांडर श्री अतुल्य सोलंकी और ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला शामिल हैं।

भोपाल, जबलपुर, सागर और ग्वालियर में होगी व्यवस्था

सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि कोरोना संक्रमित रोगियों को सेना के अस्पतालों और आइसोलेशन केंद्रों में स्थान दिया जाएगा। भोपाल में लगभग 150, जबलपुर में 100, सागर में 40 और ग्वालियर में 40 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था के लिए प्रयास आज से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री से भी चर्चा हुई

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज ही केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से भी सेना से सहयोग के प्राप्त करने के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा आवश्यकता हुई तो सेना द्वारा संचालित इन आइसोलेशन केन्द्रों में मध्यप्रेदश शासन आइसोलेटेड रोगियों के लिए ऑक्सीजन व्यवस्था भी उपलब्ध करवाएगा। भोपाल स्थित आइसोलेशन केंद्र के लिए ऑक्सीजन लाइन भी स्थापित की जा सकती है। इससे गंभीर स्थिति होने पर आइसोलेटेड रोगी को आवश्यक उपचार मिल सकेगा।

पैरामेडिकल स्टाफ भी देंगे

सेना के अधिकारियों ने रोगियों की समुचित देखभाल के लिए पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए भी आश्वस्त किया। कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए सेना की ओर से प्रदेश में बिस्तर उपलब्ध करवाने एवं पूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्त किया गया। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए आवश्यक प्रबंध हो जाने से आइसोलेशन रोगियों की देखरेख का कार्य हो सकेगा।

सेना पर गर्व है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय सेना पर हम सभी को गर्व है। संकट के समय में सेना से किए गए अनुरोध का अच्छा रिस्पांस मिला है। यह सच है कि प्रदेश में संक्रमण बढ़ा है। सरकारी प्रयासों का साथ जन-जागरूकता भी बढ़ रही है। आगामी 30 अप्रैल तक मध्यप्रदेश में कोरोना कर्फ्यू लागू है। इसमें जनता भी सहयोग कर रही है।

वरिष्ठ अधिकारी अधिकृत

सेना द्वारा दिए जाने वाले इस सहयोग से संक्रमित रोगियों की बेहतर देखभाल की जा सकेगी। आवश्यक समन्वय के लिए मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी और सेना सुदर्शन चक्र भोपाल की ओर से ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला अधिकृत किए गए हैं।

यह भी युद्ध है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह भी एक तरह का युद्ध है। हम सभी मिलकर लड़ेंगे और विजय प्राप्त करेंगे। कोर कमांडर सुदर्शन चक्र श्री अतुल्य सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता की समस्या हमारी समस्या है। हम इसके समाधान में सहभागी बनेंगे।

प्रदेश के 9 मेडिकल कॉलेज में लगेगी सीटी, एमआरआई मशीन

ग्वालियर। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की मौजूदगी में चिकित्सा शिक्षा विभाग और वास्को टेली रेडियोलॉजी कम्पनी के मध्य एमओयू हुआ। कम्पनी द्वारा 9 मेडिकल कॉलेज में सीटी/एमआरआई मशीन लगाई जायेगी। इसमें इंदौर, जबलपुर, सागर, दतिया, शहडोल, शिवपुरी, रतलाम, विदिशा और खण्डवा मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और चिकित्सा शिक्षा विभाग की संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्तव भी मौजूद थीं।

स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम में की समीक्षा

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग कोविड मरीजों को समुचित उपचार मिल सके, इसके लिये लगातार प्रयासरत हैं। इसके लिये वे स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम जाकर स्थिति का आकलन और व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा लगातार कर रहे हैं।

श्री सारंग ने कोविड केयर सेंटर, होम आइसोलेशन, ऑक्सीजन सहित दवाओं की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने निर्देश दिये कि बेड क्षमता बढ़ाने के लिये सतत प्रयास जारी रखें, जिससे कोरोना के मरीजों का उपचार हो सके। उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाने को भी कहा। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया, नगर निगम आयुक्त श्री के.व्ही.एस. चौधरी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा उपस्थित थे।

सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ बनेगा कोविड केयर सेंटर

रातीबड़ स्थित सागर पब्लिक स्कूल में कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। इसमें 200 बेड तैयार किये गये हैं। इस सेंटर पर होम आइसोलेशन की व्यवस्था हो सकेगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग ने आज इसका मुआयना किया। उन्होंने व्यवस्थाओं संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा मौजूद थे।

प्रदेश के 9 मेडिकल कॉलेज में लगेगी सीटी, एमआरआई मशीन जिसमें दतिया भी शामिल

दतिया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की मौजूदगी में चिकित्सा शिक्षा विभाग और वास्को टेली रेडियोलॉजी कम्पनी के मध्य एमओयू हुआ। कम्पनी द्वारा 9 मेडिकल कॉलेज में सीटी/एमआरआई मशीन लगाई जायेगी। इसमें इंदौर, जबलपुर, सागर, दतिया, शहडोल, शिवपुरी, रतलाम, विदिशा और खण्डवा मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और चिकित्सा शिक्षा विभाग की संचालक डॉ. उल्का श्रीवास्तव भी मौजूद थीं।

स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम में की समीक्षा-चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग कोविड मरीजों को समुचित उपचार मिल सके, इसके लिये लगातार प्रयासरत हैं। इसके लिये वे स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल-रूम जाकर स्थिति का आकलन और व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा लगातार कर रहे हैं। श्री सारंग ने कोविड केयर सेंटर, होम आइसोलेशन, ऑक्सीजन सहित दवाओं की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने निर्देश दिये कि बेड क्षमता बढ़ाने के लिये सतत प्रयास जारी रखें, जिससे कोरोना के मरीजों का उपचार हो सके। उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाने को भी कहा। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया, नगर निगम आयुक्त श्री के.व्ही.एस. चौधरी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा उपस्थित थे।

सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ बनेगा कोविड केयर सेंटर-रातीबड़ स्थित सागर पब्लिक स्कूल में कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। इसमें 200 बेड तैयार किये गये हैं। इस सेंटर पर होम आइसोलेशन की व्यवस्था हो सकेगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग ने आज इसका मुआयना किया। उन्होंने व्यवस्थाओं संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विकास मिश्रा मौजूद थे।

निर्धन उपभोक्ताओं को तीन माह का राशन मुफ्त दिया जाएगा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शहरों और कस्बों के साथ ही प्रदेश के ग्रामों में भी संक्रमण बढ़ने से रोकना है। ग्रामों में जो सुरक्षित हैं, वे सुरक्षित रहें और बाहर न निकलें। जहाँ अधिक संक्रमित रोगी हैं वहाँ कन्टेनमेंट जोन बनाकर संक्रमण नियंत्रण सुनिश्चित करें। हर स्थिति में संक्रमण की चेन तोड़ना है। रहवासी संघ और स्वैच्छिक संगठन सहयोग करें ताकि जो व्यवस्थाएँ छोटी पड़ रही हैं, उन्हें पर्याप्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स से संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खंडवा, बुरहानपुर प्रशासन के संक्रमण नियंत्रण के प्रयासों को सराहनीय बताया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी पात्र निर्धन उपभोक्ताओं को उचित मूल्य की दुकानों से एक साथ तीन माह का राशन निःशुल्क मिलेगा।

साँस की डोर न टूटे-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में संक्रमित रोगियों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए गए हैं। रेमडेसिविर इंजेक्शन भी लगातार आ रहे हैं। इनका न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी रोगी की साँस की डोर न टूटे।

हर व्यक्ति शंका होने पर टेस्ट अवश्य कराएँ-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आइसोलेशन से जुड़ी पूरी व्यवस्थाएँ जिलों में सुनिश्चित करें। जिन व्यक्तियों को सर्दी-खाँसी, बुखार है, वे तत्काल जाँच करवाएँ, जाँच की रिपोर्ट आने तक स्वयं को आइसोलेशन में रखें। सेंपल देने के बाद बहुत से लोग घूमते रहते हैं। इस पर भी नियंत्रण करना है। इससे परिवार को संक्रमित होने से बचाया जा सकेगा। यदि घर छोटा है तो कोविड केयर सेंटर जाकर व्यवस्था का लाभ लेना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर्स से कहा कि जिन जिलों में ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं, वे प्लांट स्थापना का कार्य प्रारंभ करें। कुछ जिलों में ऑक्सीजन सिलेंडर लेने की पहल सराहनीय है। कलेक्टर द्वारा स्थानीय प्रबंध भी सुनिश्चित हों।

भारत और मध्यप्रदेश हमारी माँ है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी 30 अप्रैल तक घर से न निकलें, संक्रमण की चैन तोड़ें। भारत और मध्यप्रदेश हम सबकी माँ है, इसके दूध की लाज रखना है। समाज, इस संकट में साथ खड़ा हो। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स से कहा कि आइसोलेशन केन्द्रों के लिए निजी और सरकारी भवन का उपयोग करें। कलेक्टर अपने स्तर पर नवाचार भी करें। हम सम्मिलित प्रयासों से जंग जीत जायेंगे।

कारावास जाएंगे कालाबाजारी करने वाले-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि औषधियों की कालाबाजारी करने वाले को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएसए) में कारावास भेजें। इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता लोगों का जीवन बचाना है। जीवनरक्षक इंजेक्शन को अधिक कीमत पर बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

वित्तीय समस्या नहीं होगी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा किए जाने वाले स्थानीय प्रबंध में वित्तीय समस्या नहीं आने दी जाएगी। राज्य शासन स्तर से धन राशि की कमी नहीं होगी। यह प्रत्येक जिले का टास्क होना चाहिए कि कम से कम रोगी अस्पताल पहुँचे। होम आइसोलेशन व्यवस्था का अधिकतम प्रयास हो। इन्दौर में की गई पहल प्रशंसनीय है। सांसद, विधायक भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। सामाजिक संगठन सरकार के प्रयासों को मजबूत करें। निश्चित ही इस महामारी को हम सभी मिलकर हरा देंगे।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान पुलिस द्वारा चलाया जा रहा चेकिंग अभियान

नीतेश शर्मा

आज ग्वालियर शहर के स्टेशन बजरिया क्षेत्र में पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें बिना मास्क और अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों पर चलानी कार्यवाही की गई, जिसमे वाहनों की सघन चेकिंग की गई औऱ लोगो को वेबजह घरो से बाहर न निकले की हिदायत दी गई।

विधायक डॉ. सिकरवार ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पात्र हितग्राहीओं को खाद्यान् पर्ची न मिलने की समस्या को लेकर, पंजीकृत निजी अस्पतालों में ''प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना'' के अन्तर्गत उपचार नही किये जाने के संबंध में एवं ''प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' (आयुष्मान) कार्डधारी द्वारा अन्य अस्पताल में कराये गये इलाज की राशि का भुगतान किये जाने के संबंध में पत्र लिखा है। पहले पत्र के माध्यम से डॉ. सिकरवार ने कहा है कि गरीब एवं निम्न वर्ग के ऐसे परिवार जिनके मजूदरी कार्ड/हाथठेला कार्ड/घरेलू कामकाजी महिला कार्ड/केश शिल्पी आदि अन्य योजनाओं के कार्ड शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बनाये गये है। ऐसे कार्डो का सत्यापन ऑनलाईन हो चुका है। किन्तु ऐसे कार्ड धारकों की खाद्यान पर्ची करीब 1 से 2 माह एवं इससे भी अधिक की अवधि के उपरान्त नही निकल रही है। खाद्यान पर्ची पोर्टल पर प्रदर्शित नही होने एवं पर्ची का प्रिन्ट आउट नही निकलने के कारण ऐसे कार्ड धारक विगत् 1 से 2 माह से अधिक अवधि से खाद्यान से वंचित है। डॉ. सिकरवार ने कहा है कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण के कारण गरीब एवं निम्न वर्ग के ऐसे परिवार जो मजदूरी एवं लघु उद्योगो में कार्य करते है, बन्द होने से आय न होने से भूखे रहने को मजबूर है। खाद्यान पर्ची को सत्यापन होने के उपरान्त पर्ची पोर्टल पर प्रदर्षित नही होने एंव प्रिन्ट आउट नही निकलने के संबंध में मेरे द्वारा कलेक्टर एवं खाद्य नियंत्रक ग्वालियर को इस तथ्य से समय-समय पर अवगत कराया जा रहा है, किन्तु इस दिशा में कोई भी कारगर निराकरण आज दिनांक तक नही किया गया है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि मेरा आपसे व्यक्तिगत अनुरोध है कि कोरोना की इस विषम परिस्थिति में जब तक पोर्टल का सुचारू संचालन नही हो जाता तब तक शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जारी कार्डो के आधार पर खाद्यान्न के वितरण की व्यवस्था किया जाना उचित होगा। दूसरे पत्र के माध्यम से विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा है कि मान.प्रधानमंत्री द्वारा भारत के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश?य को ध्यान में रखते हुये ''प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना'' देश में लागू की गई। उक्त योजना को सफल बनाये जाने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा ''आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश निरमायम'' योजना प्रारम्भ की गई। ''आयुष्मान योजना'' में पंजीकृत मान्यता प्राप्त कई निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों का उपचार नही किये जाने के तथ्य की जानकारी से मेरे द्वारा उक्त सन्दर्भित पत्र से आपको अवगत कराया जाकर इस संबंध में कार्यवाही करने का लेख किया गया। किन्तु इस संबंध में कोई कारगर कार्यवाही होना नही पाया गया। क्योंकि आज भी निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्डधारियों का इलाज नही किया जा रहा है। जिससे मान.प्रधानमंत्री एवं प्रदेश सरकार की आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश ''निरमायम'' योजना का लाभ धरातल पर प्रदेश के नागरिकों को नही मिल पा रहा है। तीसरे पत्र के माध्यम से विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा है कि मान.प्रधानमंत्री द्वारा भारत के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश?य को ध्यान में रखते हुये ''प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' देश में लागू की गई। जिसके तहत प्रदेश में कुछ निजी अस्पतालों को मरीजों के उपचार हेतु पंजीकृत किया गया है। वर्तमान में कोरोना संक्रमण के कारण पंजीकृत अस्पतालों में मरीजों की संख्या अधिक होने से, इस योजना के कतिपय कार्डधारियों का इलाज नही किया जा रहा है। जिसके कारण ऐसे कार्डधारी मरीजों को अपने रिश?तेदारों एवं आस-पास में रहने वालों से पैसे लेकर अन्य अस्पतालों में ऑपरेशन कराने के लिये विवष हो रहे है। जिससे गरीब/निम्नवर्ग के व्यक्तियों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण समाप्ति तक कुछ ओर निजी अस्पतालों को पंजीकृत किया जावें। ''प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' के कार्डधारियों को अन्य अस्पताल में करायी गई सर्जरी की राशि की प्रतिपूर्ति पीड़ित मरीज को भुगतान किये जाने के निर्देश जारी किया जाना उचित होगा।

दवाएँ खरीदते समय उपभोक्ता करें अपने अधिकारों का उपयोगः प्रमुख सचिव श्री किदवई

ग्वालियर। मूल्य के बदले में वस्तु या सेवा प्राप्त करने वाला व्यक्ति उपभोक्ता है। सेवा के अंतर्गत बैंक, बीमा, परिवहन, विदुयत, मनोरंजन, रेल, डाक, दूरभाष आदि की तरह दवाएँ भी शामिल हैं, जो जीवन रक्षक के रूप में उपभोक्ता क्रय करता है। उपभोक्ता उसके मूल्य का भुगतान तो करता है परंतु आवश्यकता पड़ने पर अपने अधिकारों का उपयोग नहीं करता है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज़ अहमद किदवई ने कहा कि कोई भी व्यापारी अथवा निर्माता उपभोक्ता के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उपभोक्ता को उसके द्वारा भुगतान की गई राशि के बदले वस्तु अथवा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार है।

दवाएँ खरीदते समय दें जागरूकता का परिचय-प्रमुख सचिव श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता दवाएँ खरीदते समय पर्चे के साथ दवा के नाम का मिलान कर लें। जब-तक कोई दवाई इस्तेमाल नहीं हो जाती, तब-तक उसके बिल अथवा रसीद को संभाल कर रखें। दवाई के रेपर पर अंकित दवा की उपयोगिता समाप्ति की तिथि को देखकर ही दवा खरीदें। यदि एक्सपायरी डेट निकल गई हो तो न दवा खरीदें और न ही उसका उपयोग करें। ये जिंदगी के लिए नुकसानदायी हो सकती है।

श्री किदवई ने बताया कि उपभोक्ता सिर्फ डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएँ ही क्रय करें। केमिस्ट की सलाह पर दवाइयों का इस्तेमाल न करें। जागरूक उपभोक्ता के रूप में दवाई के पैकेट पर खरीदी गई दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य के साथ ही उत्पादक का लाइसेंस नंबर को भी देखना चाहिए।

जैनेरिक दवाइयाँ भी है प्रभावशाली-प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि उपभोक्ता जैनेरिक दवाएँ भी डॉक्टर की सलाह लेकर खरीद सकते हैं। ये दवाइयाँ गुणवत्ता में अन्य दवाईयों के समान होती हैं और इनकी कीमत अन्य दवाओं की तुलना में काफी कम होती है। जैनेरिक दवाएँ किसी ब्राण्ड विशेष का इस्तेमाल नहीं करती इसलिए इनकी कीमतें कम होती हैं। उन्होंने बताया कि नकली व मिलावटी दवाइयों के बारे में उपभोक्ता अपनी शिकायत अपने जिले के औषधि निरीक्षक या राज्य के औषधि नियंत्रक से कर सकते हैं।

मानवता के पहरुओं ने हमें बचा लिया.....

ग्वालियर। कोरोना महामारी पर फतह हासिल कर नया जीवन पाने वाले दिनेश और उनके परिजन बहुत खुश हैं। उनका कहना है संकट भरे दिनों में सरकारी चिकित्सकों और कर्मचारियों ने मानवता के पहरुए बनकर जिस आत्मीयता एवं सेवाभाव के साथ हमारी सेहत की चिंता की उसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते।ग्वालियर शहर की बस्ती दर्पण कॉलोनी निवासी श्री दिनेश सिंह बताते हैं कि पिछले 15 दिन हमारे परिवार के लिए बड़े मुश्किल भरे रहे हैं। पहले मेरी धर्मपत्नी श्रीमती उर्वशी को बुखार आया। डॉक्टर को दिखाया तो उसने 5 दिन की दवा दी पर कोई फायदा नहीं मिला। जब तीन दिन तक बुखार नहीं टूटा तो चिंता हुई औऱ हमने धर्मपत्नी को एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। जाँच में पता चला उन्हें न्यूमोनिया है। पत्नी के इलाज के सिलसिले में हो रही भाग-दौड़ के बीच मुझे भी थकान और गले में खराश सी महसूस हुई। उधर दिल्ली से लौटकर आया मेरे इकलौते बेटे उदितांशु ने भी यही परेशानी बताई। मेरे मन में संदेह हुआ तो 12 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ठाठीपुर में अपनी और अपने बेटे की कोरोना जाँच कराई।

दिनेश बताते हैं शाम को कोरोना कंट्रोल एवं कमांड सेंटर से फोन आया। दिनेश जी आप और आपका बेटा कोरोना पोजीटिव्ह हैं। यह सुनकर

मुझे एक बारगी ऐसा महसूस हुआ कि मानो मेरे पैरों तले की जमीन ही खिसक गई हैं। मेरी मनोस्थिति को फोन करने वाले सरकारी मुलाजिम ने समझ लिया और आत्मीयता पूर्वक मेरा हौसला बढ़ाते हुए कहा कि दिनेश जी आप जरा सी भी चिंता न करें,सरकार आपका पूरा इलाज कराएगी। थोड़ी देर बाद दूसरा फोन आया जो डॉक्टर साहब का था। उन्होंने मेरे एवं बेटे के ऑक्सीजन लेवल और अन्य लक्षणों के बारे में पूछा। साथ ही कहा यदि आपके पास ऑक्सीमीटर न हो तो भिजवाएं। सौभाग्य से हमारे पास ऑक्सीमीटर था उससे जाँच की तो हम दोनों का लेवल 97 के आसपास आया। डॉक्टर्स ने सलाह दी कि आप दोनों का इलाज होम आइसोलेशन में भी बेहतर ढंग से हो सकता है। यदि आप अभी अस्पताल में भर्ती होना चाहते हो तो हम उसमें भी आपकी मदद करेंगे। हमने होम आइसोलेशन में रहकर स्वास्थ्य लाभ लेने का निर्णय लिया। दूसरे दिन सुबह आशा कार्यकर्ता हमारे घर दवाओं की दो किट लेकर पहुँची। जिसमें हम दोनों के लिए पाँच-पाँच दिन की दवाओं का डोज था।थोड़ी देर बाद डॉक्टर ने फोन करके बताया कि दवाएँ कैसे-कैसे लेनी हैं। लगातार पाँच दिन तक दिन में दो बार हमारी सेहत का हाल-चाल जानने के लिए कमांड सेंटर से फोन आये। साथ ही मैंने भी जब मना किया तो मोबाइल फोन से वीडियो कॉलिंग के जरिए डॉक्टर साहब से सलाह ले ली। सरकार द्वारा कराए गए इलाज से हम बाप-बेटे पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं। पत्नी भी स्वस्थ होकर घर आ गई है। दिनेश कहते हैं कोरोना का नाम सुनकर जब अपने भी किनारा करके निकल जाने के लिए मजबूर हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई व्यवस्था से मेरा जिस तरह से इलाज किया गया, उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम ही होगी। अब मुझे भरोसा हो गया है इस धरती पर भी डॉक्टर्स एवं सेवाभावी लोगों के रूप में ईश्वर विद्यमान है।

जन अभियान परिषद से जुड़े ग्रामीणों को कोरोना से बचाव के लिए किया जागरूक, मास्क भी बाँटै

ग्वालियर। जन अभियान परिषद द्वारा शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण अंचल में भी कोरोना से बचने के लिए जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है । इस कड़ी में जिले के विकासखंड मुरार के ग्राम सुमावली की प्रस्फुटन समिति द्वारा ग्रामीणों को मास्क वितरित किये गये । साथ ही ग्रामीणों को कोरोना टीकाकरण कराने के लिए घर- घर जाकर प्रेरित किया । सुमावली की तरह जिले के अन्य ग्रामों में भी जन अभियान परिषद से जुड़े युवाओं द्वारा ग्रामीणों को अनिवार्यतः मास्क लगाये रखने सुरक्षित दूरी बनाये रखने और नियमित रूप से हाथों को सैनेटाइज करने व हाथों को धोने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ।जन अभियान परिषद द्वारा किये जा रहे प्रयासों की बदौलत ग्रामीण अंचल में लोग कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं ।

दिव्यांग-जनों को कोरोना से बचाने आयुक्त निशक्तजन ने लिखा कलेक्टरों को पत्र

दतिया। निःशक्तजन कल्याण आयुक्त श्री संदीप रजक ने प्रदेश के जिला कलेक्टरों को दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य सुरक्षा और संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा मार्च 2020 में जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिये पत्र लिखा है। श्री रजक ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान दिव्यांगजनों को आवश्यक भोजन, पानी, दवा एवं चिकित्सा सुविधा निरंतर मिलती रहे। श्री रजक ने कहा गैर सरकारी संगठन और दिव्यांगजनों से संबंधित अन्य संस्थाएँ भी दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन को आसानी से जीने और अत्यावश्यक वस्तुएँ मुहैया कराने में सहयोग करें। दिव्यांगजनों को सहयोगी सेवाओं का प्रबंधन सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए गैर सरकारी संगठनों, दिव्यांगजन, संघों, देखभालकर्ताओं, संगठनों के साथ समन्वय करें।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478